राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 12 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-316 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### फिलिस्तीनी राजदूत प्रियंका गांधी से मिले, वायनाड सांसद बनने पर दी बधाई

**प्रियंका ने की इजराइली कार्रवाइयों की निंदा, विनाश और तबाही पर जताया दुख**

**नई दिल्ली।** भारत में फिलिस्तीन के राजदूत आबेद ऐलराजेग अबू जाजेर ने बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की है। उन्होंने प्रियंका को वायनाड लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने पर बधाई दी। इस मुलाकात में प्रियंका गांधी ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए फिलिस्तीनी लोगों के संघर्ष के लिए अपने समर्थन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह बचपन से ही फ़िलिस्तीनी हितों के लिए जी रही हैं और इसके न्याय में विश्वास करती हैं। इसके अलावा उन्होंने बचपन में फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात की भारत यात्रा के दौरान कई बार पूर्व पीएम इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से मुलाकात का जिक्र किया। इस दौरान प्रियंका ने गाजा में चल रही इजराइली सैन्य कार्रवाइयों की निंदा की और क्षेत्र में विनाश और तबाही के लिए गहरा दुख व्यक्त किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि मैं हर उस मां के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिसने अपना बच्चा खोया है। उन्होंने गाजा में संकट को संबोधित करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी की भी आलोचना की। वहीं, फिलिस्तीन के राजदूत ने गाजा में युद्धविराम की दिशा में भारत की भूमिका के महत्व की बात कही। उन्होंने गाजा में भारत के प्रभाव के महत्व पर जोर देते हुए फिलिस्तीनी अधिकारों के लिए भारत के निरंतर समर्थन पर प्रकाश डाला। उन्होंने फिलिस्तीन और भारत के राजनीतिक दलों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को भी याद किया, जिसमें कांग्रेस पार्टी भी शामिल है, जो लंबे समय से फिलिस्तीनी आत्मनिर्णय की वकालत करती रही है।

### बांग्लादेश जेल से भागे अपराधियों ने बनाया नया आतंकी संगठन

**-भारत-बांग्लादेश सीमा पर दे सकते हैं बड़ी वारदात को अंजाम**

**नई दिल्ली।** भारत-बांग्लादेश बार्डर पर आतंक की साजिश का खुलासा हुआ है जिसमें कुख्यात आतंकी संगठन हरकत उल जेहाद भी शामिल है। बांग्लादेश की जेल से भागे अपराधियों और आतंकवादियों ने एक गिरोह बना लिया हैं और ये भारत-बांग्लादेश सीमा पर आतंकी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। खुलासे से पता चला है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन के समर्थक हैं। सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बड़ा आतंकवादी हमला हो सकता है और भारतीय सुरक्षा बलों पर घात लगाकर गोलीबारी की जा सकती है। इसके लिए बांग्लादेश में जेल से भागे हुए अपराधियों और आतंकवादियों का एक 50 सदस्यीय संगठन तैयार कर लिया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बेहद प्रभावशाली लोगों का समर्थन भी मिला है। आईएसआई नहीं चाहती कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव कम हो। यही कारण है कि इस नए आतंकवादी संगठन को हथियारों के साथ-साथ पैसा भी दिया जा रहा है। पैसे के लालच में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन से जुड़ गए हैं यानी आने वाले दिनों में यह संगठन भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है जिससे तनाव और बढ़ सकता है।

### सीरिया में फंसे 75 भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी

**नई दिल्ली।** सीरिया में बिगड़े हालातों के चलते वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया था। ऐसे में केंद्र सरकार के प्रयासों से 75 भारतीय नागरिकों की सुरक्षित भारत वापसी संभव हो सकी है। यह कदम बशर अल-असद की सरकार का तख्तापलट होने और विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शाम द्वारा राजधानी दमिश्क पर कब्जा किए जाने के बाद उठाया गया। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि यह अभियान दमिश्क और बेरूत स्थित भारतीय दूतावासों के समन्वय से सफलतापूर्वक पूरा किया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, निकाले गए 75 नागरिकों में जम्मू-कश्मीर के 44 जायरीन भी शामिल हैं, जो सैदा जैनब में फंसे हुए थे। इन सभी को सुरक्षित रूप से लेबनान के बेरूत पहुंचाया गया और वहां से उन्हें भारत लाने के लिए कमर्शियल उड़ानों का प्रबंध किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सीरिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। इसके साथ ही, सीरिया में रह रहे अन्य भारतीय नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय भारतीय दूतावास से संपर्क में रहें और सरकार की ओर से दी जाने वाली किसी भी सहायता का लाभ उठाएं। निकासी अभियान के तहत सबसे पहले दमिश्क और उसके आसपास फंसे भारतीय नागरिकों को लेबनान पहुंचाया गया। सरकार ने सीरिया में मौजूदा हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति गंभीर है और भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। यह अभियान भारत सरकार की तत्परता और विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। नागरिकों की सुरक्षित वापसी से न केवल उनका बल्कि उनके परिवारों का भी तनाव समाप्त हुआ है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह स्थिति पर नजर बनाए रखेगी और जरूरत पड़ने पर और भी ठोस कदम उठाएगी।

# सोनिया-जॉर्ज मुद्दे पर सदन में होता रहा हंगामा, कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित

## नड्डा बोले-देश को वास्तविकता जानने का अधिकार, इस पर चर्चा होनी चाहिए

**नई दिल्ली।**

राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस के संबंधों को लेकर जोरदार हंगामा हुआ जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले भी सदन की कार्यवाही इस मुद्दे को लेकर 12 बजे तक स्थगित की गई थी। पहले स्थगन के बाद उपसभापति हरिवंश ने सदन में प्रश्नकाल शुरू करने के लिए कार्यवाही शुरु की तो सत्ता पक्षे और विपक्ष के सदस्य जोर-जोर से बोलने लगे जिससे खूब शोर शराबा हुआ। सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि पिछले दो दिनों से सदस्य सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस के संबंधों को लेकर उद्वेलित है। इन संबंधों का असर देश की संप्रभुता और अखंडता पर प्रभाव पड़ सकता है। यह संबंध देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि देश को इन संबंधों की वास्तविकता जानने का अधिकार है इसलिए सदन में इस पर चर्चा होनी चाहिए।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर चर्चा से बचने के लिए देश का ध्यान भटकना चाहती है इसलिए सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहा है। विपक्ष ने कभी भी संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का सम्मान नहीं किया है और सदन के अंदर और बाहर अपमानजनक व्यवहार करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जॉर्ज सोरोस का उपकरण बन गई है और इसके तीव्र भर्त्सना की जानी चाहिए। इस बीच सदन में दोनों पक्षों की ओर से शोरशराबा और नारेबाजी होती रही। उपसभापति हरिवंश दोनों पक्षों से शांत होने की अपील करते रहे लेकिन हंगामा बढ़ता ही गया। उसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा में इस सप्ताह लगातार तीसरे दिन भी जॉर्ज सोरोस को लेकर हंगामा जारी रहा और कार्यवाही ठप रही। तीसरे दिन भी प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सका।

### एस-400 मिसाइल प्रणाली की शीघ्र आपूर्ति करे रुसः राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली।**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली 'एस-400 ट्रायम्फ' की बची हुई दो इकाइयों की आपूर्ति में तेजी लाने की अपील की। यह प्रणाली भारत के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है और इसकी शीघ्र आपूर्ति से देश की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। रक्षा मंत्री ने रूस की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान मॉस्को में रूस के उच्चाधिकारियों से मुलाकात कर भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अहम बातचीत की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजनाथ सिंह ने भारत के घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने और रक्षा उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। भारत और रूस के बीच सैन्य और तकनीकी सहयोग पर चर्चा के लिए अंतर-सरकारी आयोग की सह-अध्यक्षता सिंह और बेलौसोव ने की। उन्होंने रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली की शेष दो इकाइयों की शीघ्र आपूर्ति पर जोर दिया, जिसमें यूक्रेन संघर्ष के कारण देरी हो रही है। इसके साथ ही, भारतीय नौसेना के लिए रूस निर्मित युद्धपोत आईएनएस तुशील को शामिल किए जाने पर रूसी रक्षा मंत्री ने राजनाथ सिंह को बधाई दी। यह युद्धपोत कालिनिनग्राद में आयोजित एक समारोह में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। रूसी रक्षा मंत्री ने भी भारत-रूस संबंधों को आपसी विश्वास पर आधारित बताते हुए इन्हें और प्रगाढ़ करने पर जोर दिया।

### सीएम भजनलाल ने पार कर दी बाउंड्री-केन्द्रीय मंत्री

**35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू होना बड़ी बात**

जयपुर । राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आज तीसरा दिन है जहां केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने संबोधित करते हुए कहा कि पहले साल में भजनलाल शर्मा ने बाउंड्री पार कर दिया उद्योग व्यापार के लिए मारवाड़ी समाज की भी जमकर सराहना की. राजस्थानी लोगों की मेहनत देश-विदेश में देखी जा सकती है। राजस्थान को प्रकृति से कोई मदद नहीं मिलती है. फिर भी राजस्थान खुद की मेहनत के दम पर तरक्की कर रहा है। राजस्थान सरकार के निमंत्रण पर मैं आभार प्रकट करता हूं भजनलाल सरकार की पूरी टीम को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई. 35 लाख करोड़ रुपए के रूश होना बड़ी बात है. देश में आज राजस्थान की उद्यमिता की झलक मिलती है. आप कहीं पर भी जाइए, आपको कोई राजस्थानी मिल ही जाएगा. वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में निवेश की असीम संभावनाएं है। निवेशकों की मौजूदगी हमें उत्साह, हौसला देती है. पहले दिन से हमारी सरकार बिजली, पानी को लेकर काम कर रही है. विकास में बिजली, पानी का मुद्दा सबसे अहम है एमएसएमई का राजस्थान की जीएसडीपी में 25 फीसदी योगदान है हम किए हुए रूश की एग्जामिन करेंगे।

### राज्यसभा में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से गरमाई राजनीति

**सत्ता पक्ष के पास दोनों सदनों में बहुमत, प्रस्ताव गिरने की संभावना**

**नई दिल्ली।**

राज्यसभा में विपक्ष ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस देकर राजनीतिक माहौल गरम कर दिया है। यह भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार है, जब किसी सभापति के खिलाफ ऐसा कदम उठाया गया है। विपक्ष का आरोप है कि सभापति सदन में सत्तारूढ़ दल का पक्ष ले रहे हैं वह निष्पक्षता से काम नहीं कर रहे हैं। विपक्ष जानता है कि उसके पास संख्या नहीं है और यह प्रस्ताव पास नहीं हो सकता है, लेकिन इस कदम के जरिए वह एक राजनीतिक संदेश देना चाहता है। विपक्षी नेताओं का मानना है कि इस प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उन तमाम मुद्दों को सदन में उठाने का अवसर मिलेगा, जिन्हें सभापति के निर्देश पर अक्सर रेकॉर्ड से बाहर कर दिया जाता है। यदि सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है, तो यह प्रक्रिया राज्यसभा में चर्चा और मतदान से शुरू होगी। यदि प्रस्ताव राज्यसभा में पास हो जाता है, तो फिर इसे लोकसभा भेजा जाएगा। प्रस्ताव को पास करने के लिए दोनों सदनों में सामान्य बहुमत की जरुरत होती है। फिलहाल सत्ता पक्ष के पास दोनों सदनों में बहुमत है, इसलिए प्रस्ताव के गिरने की पूरी संभावना है। राज्यसभा में कुल 245 सदस्य हैं, जिनमें बहुमत के लिए 123 सांसदों की जरूरत होती है। एनडीए के पास 95 सांसद हैं। वहीं विपक्ष के पास करीब 100 सांसद। नॉमिनेटेड सांसदों में से 6 सदन में मौजूद हैं। वाईएसआरसीपी, बीजेडी, और एआईएडीएमके जैसे दल फिलहाल किसी के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन परंपरागत रूप से एंटी-इंडिया गठबंधन माने जाते हैं। विपक्ष इस प्रस्ताव के जरिए सभापति धनखड़ की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा कर रहा है। साथ ही वह यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि आसन के प्रति उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी को लेकर गंभीरता है। हालांकि, विपक्ष के बड़े नेताओं, जैसे सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि यह कदम ज्यादा राजनीतिक प्रतीकात्मकता का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु ने इस प्रस्ताव को गैर-जरूरी और विपक्ष का राजनीतिक स्टंट बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास संख्या बल नहीं है, और यह प्रस्ताव फेल हो जाएगा। यह अविश्वास प्रस्ताव, भले ही पास न हो, लेकिन विपक्ष के लिए एक मंच प्रदान करेगा जहां वह संसद में सत्ता पक्ष की नीतियों और सभापति की निष्पक्षता पर सवाल उठा सके। यह कदम संसद की राजनीति में एक अहम क्षण बन सकता है, जिसका असर आगामी सत्रों और राजनीतिक घटनाक्रमों पर पड़ेगा।

# कांग्रेस अराजकता फैलाने वालों के साथ पसंद करती है बैठना

## संभल हिंसा पीड़ितों से मिलने पर बीजेपी सांसद ने राहुल-प्रियंका को घेरा

**नई दिल्ली।**

यूपी के संभल हिंसा पीड़ितों ने दिल्ली में राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजेपी को पंसद नहीं आई और सासंद अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति और कांग्रेस का यह चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। उन्हें हमास और फिलिस्तीन तो दिखता है, लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नहीं दिखते। वे अराजकता फैलाने वालों के साथ बैठना पसंद करते हैं, लेकिन शांति को बढ़ावा देने के लिए कभी आगे नहीं आते। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कहूंगा कि कुछ लोगों के संसद में चरण पड़ने से संसद की कार्यवाही बाधित हो गई है।

### संभल के प्रतिनिधिमंडल से मिले राहुल और प्रियंका

**नई दिल्ली।**

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं वायनाड सांसद प्रियंका गांधी से मिलने संभल का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली पहुंचा था। दस जनपथ में राहुल व प्रियंका ने संभल से आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनकी आपबीती सुनी व ढांढस बंधाते हुए न्याय दिलाने हर संभव मदद का वादा किया। गौरतलब है कि संभल हिंसा के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को संभल जाने से रोक दिया गया था। इसके बाद 10 दिसंबर को संभल से 11 सदस्यीय दल दिल्ली पहुंचा था। इस दल ने दस जनपथ में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। इस मुलाकात पर कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभिमन्यु त्यागी ने बताया कि संभल के लोगों के साथ सांसद इमरान मसूद और प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष रिजवान कुरैशी भी साथ रहे। इन कांग्रेस नेताओं के साथ ही 11 लोगों ने राहुल और प्रियंका गांधी से मुलाकात कर अपनी बात रखी। बंद कमरे में हुई इस मुलाकात के दौरान राहुल और प्रियंका गांधी ने उन सभी से बातचीत की और उनकी आपबीती सुनी। राहुल और प्रियंका ने उन्हें भरोसा दिलाया कि न्याय दिलाने में वह उनकी पूरी मदद करेंगे।

# पीएम नरेंद्र मोदी और प्रणब मुखर्जी के संबंध नए नहीं बहुत पुराने थे

## पूर्व राष्ट्रपति की बेटी ने कहा-पीएम बाबा के पैर छूकर लेते थे मार्गदर्शन

**नई दिल्ली।**

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर कहा कि पीएम मोदी और प्रणब दा के संबंध नए नहीं बल्कि बहुत पुराने थे। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने बताया कि उनके पिता प्रणब और पीएम मोदी के बीच संबंध राजनीतिक सीमाओं से परे थे। ऐसा आमतौर पर देखने को नहीं मिलता है।

उन्होंने बताया कि यह बात बिल्कुल सार्वजनिक थी कि मोदीजी, प्रधानमंत्री के रूप में और प्रणब मुखर्जी, राष्ट्रपति के रूप में किस तरह से एक टीम की तरह काम करते थे। दोनों ने एकदम लोकतांत्रिक ढंग से काम किया। हैरान करने वाली बात थी क्योंकि दोनों की राजनीतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि बिल्कुल अलग थी। उन्होंने कहा कि मुझे बाबा (पिता) की डायरी पढ़ने के बाद और मोदीजी से कुछ दिलचस्प बातें जानने के बाद ये सारी बातों की जानकारी मिली। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा कि एक बार जब मोदीजी प्रधानमंत्री बनने के बाद बाबा प्रणब से मिलने गए, तो उन्होंने बाबा के पैर छुए और कहा कि दादा, आप मुझे मेरे छोटे भाई की तरह मार्गदर्शन दीजिए। बाबा ने उन्हें आश्वासन दिया। मोदीजी ने मुझे बताया कि उनका संबंध बाबा से बहुत पुराना है और ये सिर्फ गुजरात के सीएम बनने के बाद का नहीं था। वह पहले भी, जब आरएसएस के साधारण कार्यकर्ता थे, बाबा से मिलने आते थे। दिल्ली में नॉर्थ एवेन्यू और साउथ एवेन्यू में उनकी मुलाकातें होती थीं।

शर्मिष्ठा बताती हैं कि मोदीजी ने मुझे बताया कि जब वे गुजरात के सीएम थे, तो एक बार बाबा ने डायरी में लिखा था कि मोदीजी कांग्रेस सरकार के आलोचक हैं, लेकिन जब भी वह निजी तौर पर बाबा से मिलते, तो हमेशा उनके पैर छूते थे। बाबा ने यह भी लिखा था कि मोदीजी की इज्जत उन्हें बहुत अजीब तरह से महसूस होती थी, हालांकि वह खुद नहीं जानते थे। इसका कारण क्या था।

उन्होंने बताया कि एक और दिलचस्प बात यह है कि जब मोदीजी प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने बाबा प्रणब से मिलने के बाद कहा कि उन्हें अपनी विदेश नीति को समझने में मदद मिली थी। बाबा ने कहा था कि मोदीजी को विदेशी मामलों में गहरी समझ है और वह जल्द ही विदेश नीति के जटिल पहलुओं को समझने में सक्षम हो गए। मोदीजी की कार्यशैली के बारे में बाबा ने लिखा था कि वह बहुत ही पेशेवर और फोकस्ड हैं। बाबा ने यह भी कहा था कि मोदीजी ने राज्य की राजनीति से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पहचान बनाई, और यही कारण था कि उन्हें विदेश नीति और अन्य मामलों में

त्वरित समझ मिली। एक और दिलचस्प घटना शर्मिष्ठा मुखर्जी ने बताई कि जब बाबा थोड़े समय के लिए राष्ट्रपति पद से रिटायर हुए और मोदीजी ने उन्हें फोन किया। जब बाबा को भारत रत्न मिला, तो मुझे एक पत्रकार से पता चला। मोदीजी ने इसे एक गुप्त सूचना की तरह रखा था। मुझे बाद में पता चला कि प्रधानमंत्री ने बाबा को पहले फोन किया था लेकिन यह तब तक सार्वजनिक नहीं किया गया, जब तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# शीतकालीन सत्र में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है परंतु संसद में सियासी तापमान प्रचंड है

**विपक्ष लगातार उद्योगपति मामले पर जेपीसी की मांग कर रहा है जिसपर सदन में चर्चा हो परंतु अब सत्ता पक्ष मैं भी जार सोरोन का मुद्दा उठाकर बड़ी पार्टी को भी घेरा है जिससे अब और भी स्थिति गंभीर होती जा रही है जनता देख रही है पिछले, कुछ सत्रों से हम देख रहे हैं कि लोकसभा सत्र के दौरान ही कोई गंभीर मुद्दा उठता है और उसपर हंगामा शुरू हो जाता है और जनता की गाड़ी कमाई का पैसा यूं ही अपव्यय हो जाता है।चूँकि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चल रहा है, संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही।**

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर दुनिययाँ के अनेकों लोकतांत्रिक देश में वहां के निचले व उच्च सदन के लिए निर्वाचित सदस्यों के बीच सदन जूते चप्पलों का चलना कुर्सियां फेंकना व आपसी मारपीट के अनेक मामले हम टीवी चैनलों के माध्यम से देख चुके हैं जो एक लोकतंत्र के मंदिर में किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जहां सकता यह उस जनता का अपमान है जिन्होंने उन्हें का समाधान करने वह उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए उन्हें चुना है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चलने वाले भारतीय संसद के शीतकालीन सत्र में हम पहले दिन से ही देख रहे हैं कि काफी हंगामा मचा हुआ है,सदन नहीं चल रहा है व लगातार स्थगित हो रहे हैं जो आज 10 दिसंबर 2024 को भी दिन भर बाधित रहा और 11 दिसंबर 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष लगातार उद्योगपति मामले पर जेपीसी की मांग कर रहा है जिसपर सदन में चर्चा हो परंतु अब सत्ता पक्ष मैं भी जार सोरोन का मुद्दा उठाकर बड़ी पार्टी को भी घेरा है जिससे अब और भी स्थिति गंभीर होती जा रही है जनता देख रही है पिछले, कुछ सत्रों से हम देख रहे हैं कि लोकसभा सत्र के दौरान ही कोई गंभीर मुद्दा उठता है और उसपर हंगामा शुरू हो जाता है और जनता की गाड़ी कमाई का पैसा यूं ही अपव्यय हो जाता है।चूँकि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चल रहा है, संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही। साथियों बात अगर हम हंगामेंदार शीतकालीन सत्र की करें तो शीतकाल में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है लेकिन संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।शुरुआती छह में से पांच दिनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद कामकाज पटरी पर लौटा ही था कि दोनों ही सदन फिर से बेपटरी हो गए हैं। लोकसभा से राज्यसभा तक अडानी मुद्दे पर विपक्ष आक्रामक है तो वहीं अब दोनों सदनों में ट्रेजरी बेंच भी फंटफुट पर आ गया है।संसद में अडानी मुद्दे से शुरू हुआ संग्राम अब जॉर्ज सोरोस पर आ गया है संसद के शुरुआती हफ्ते में जहां विपक्ष का अडानी पर आक्रामक रवैया सदन की कार्यवाही में बाधा बना तो वहीं अब विपक्ष के इस मुद्दे का जवाब सत्ता पक्ष के सदस्य संसद में जॉर्ज सोरोस के मुद्दे से दे रहे हैं।सत्ता पक्ष ने सोमवार को सोरोस मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया जिसकी वजह से राज्यसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।विपक्ष के नेता ने कहा है कि अगर ये तय करके आए हैं कि सदन नहीं चलने देंगे तो आप लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं।केरल के सांसद ने कहा कि सोरोस के मुद्दे पर चर्चा हो लेकिन उसके साथ ही अडानी मुद्दे पर भी चर्चा हो।कांग्रेस के सांसदों ने सत्ता पक्ष के रवैये को अडानी को बचाने की कोशिश बताया।विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बाद संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों का दावा है कि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के उनके अनुरोध को सत्ता पक्ष द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है। इनमें दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन और मणिपुर में चल रहा संघर्ष शामिल है। वहीं, दूसरी ओर सत्ताधारी पार्टी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता के फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन के जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन के साथ कथित संबंध के बारे में दावा किया है। साथियों बात अगर हम अडानी बानाम सोरोस की करें तो संसद में सोरोस का मुद्दा आज गतिरोध बनकर सामने आया है लेकिन यह चैप्टर आज ही शुरू नहीं हुआ है, इसकी झलक 6 दिसंबर, शुक्रवार को ही देखने को मिल गई थी, तब अडानी मुद्दे पर हमलावर विपक्ष और कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए सत्ताधारी पार्टी के एक सांसद ने यह मुद्दा लोकसभा में उठाया था, झारखंड के सांसद ने सोरोस का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी कांग्रेस से 10 सवाल पूछे थे। उन्होंने विपक्ष के नेता की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सोरोस के किसी करीबी शेट्टी के नाम का जिक्र करते हुए भी सवाल पूछा था, इसी दौरान हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित हो गई थी।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कार्यवाही शुरू होने से पहले कहा कि कुछ मुद्दे हैं जिन्हें राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। जॉर्ज सोरोस और उनके संबंध जो सामने आए हैं, हम इसे विपक्षी पार्टी या विपक्षी नेता से संबंधित मुद्दे के रूप में नहीं देखते, हमें इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए, यह भारत विरोधी ताकतों से संबंधित है, हमने कांग्रेस और अन्य दलों से कहा है कि हम 13-14 दिसंबर (लोकसभा में) और 16-17 दिसंबर (राज्यसभा में) को संविधान पर चर्चा करेंगे।कांग्रेस पार्टी के नेताओं और उसके कार्यकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अगर उनके नेताओं के भी भारत विरोधी ताकतों से संबंध पाए जाते हैं तो उन्हें भी अपनी आवाज उठानी चाहिए।साथियों बात अगर हम जॉर्ज सोरोस को जानने की करें तोभारत की राजनीति में अमेरिका के अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस का नाम इन दिनों चर्चाओं में चल रहा है। बीजेपी ने विपक्षी बढ़ी पार्टी और विपक्ष के नेता समेत उनके परिवार की आलोचना करने के लिए सोरोस के नाम का सहारा लिया है। इतना ही नहीं बीजेपी ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता पर भारत को कथित तौर पर अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस जैसी अंतर्राष्ट्रीय ताकतों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। सत्ताधारी पार्टी लगातार सोरोस का नाम लेकर विपक्ष के नेता को घेर रही है। सत्ताधारी पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा करने की मांग की जिसको लेकर राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस नेता उस संगठन से जुड़ी हैं जो सोरोस से फंड लेती हैं।जॉर्ज सोरोस का नाम भारत में पहली बार नहीं आया है। इससे पहले भी सोरोस का नाम आ चुका है। इससे पहले अडाणी मुद्दे, मोदी सरकार पर टिप्पणी करके वह विवादों में आए थे। हंगरी के बुडापेस्ट में 1930 में सोरोस का जन्म हुआ था। सोरोस का नाता विवादों से रहा है। सोरोस का सबसे विवादित फाइनेंशियल मूव 1992 में आया था, उस समय उन्होंने ब्रिटिश पाउंड के खिलाफ दांव लगाया और एक ही दिन में 1 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की। इसके बाद उन्हें द मैन हू ब्रोक द बैंक ऑफ इंग्लैंड का उपनाम भी दिया गया, जिसका अर्थ होता है-बैंक ऑफ इंग्लैंड को बर्बाद करने वाला व्यक्ति। पीएम मोदी के है धुर आलोचक है,जॉर्ज सोरोस की पहचान एक ऐसे व्यक्ति की रही है जो विश्व के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए अपना एजेंडा चलाता है। सोरोस को भारतीय पीएम की नीतियों का भी धुर आलोचक माना जाता है। 2020 में दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर एक भाषण के दौरान सोरोस ने पीएम और उनकी सरकार की खूब आलोचना की थी। उन्होंने सरकार परअधिनायकवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया था। इसके अलावा सरकार पर विभाजनकारी नीतियों को लागू करने का आरोप लगाया। पीएम को सोरोस ने विश्व स्तरपर लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वाले राष्ट्रवादी नेताओं में से एक बताया था। सोरोस के इस बयान की भारतीय नेताओं ने कड़ी आलोचना की थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024- संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही शीत कालीन सत्र में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है परंतु संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।डिजिटल मीडिया युग में सम्माननीय संसद सदस्यों को करोड़ों आंखें लाइव देख रही है जिसे हर सदस्य ने स्वतः संज्ञान लेना जरूरी है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

## बुढ़ापे को बुलावा

यह मौजूदा वक्त की विडंबना है कि आय बढ़ने के साथ लोगों ने घर में बने खाने की बजाय डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाने को तरजीह देना शुरू कर दिया है। सूचना माध्यमों के जरिये तुरत-फुरत के खाने के विज्ञापनों का इतने आक्रामक ढंग से प्रचार किया जाता है कि बच्चे क्या, बड़े भी डिब्बाबंद खाने के मुरीद होने लगते हैं। यह जानते हुए कि यह उनकी सेहत पर भारी है। जब घर के बड़े-बुजुर्ग इससे बचाव की सलाह देते हैं तो वे इसे पुरातनपंथी सोच करार दे देते हैं। लेकिन डिब्बाबंद खाने की मुहिम चलाने वाले पश्चिमी देशों को भी अब अहसास हो चला है कि डिब्बाबंद खाने से समय से पहले बुढ़ापा दस्तक देने लगता है। खानपान की पश्चिमी संस्कृति के वाहक इटली में हुए एक शोध ने विकसित देशों को भी नींद से जगाया है। दरअसल, इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के एक हालिया शोध ने फिक्र बढ़ाने वाला निष्कर्ष दिया है कि डिब्बाबंद भोजन के जरूरत से ज्यादा सेवन से व्यक्ति का शरीर समय से पहले बूढ़ा हो जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इसके सेवन से हमारे शरीर की कोशिकाएं और ऊतक समय से पहले वृद्ध होने लगते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करता है तो बुढ़ापा जल्दी आएगा। इस शोध में करीब साढ़े बाइस हजार लोगों को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड व प्रसंस्कृत भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जैविक उम्र अधिक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि हमारे खाने में शामिल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के मुक्त कण अन्य स्वस्थ अणुओं के विरुद्ध प्रतिक्रिया देते हैं। चिंता की बात यह है कि ये न केवल डीएनए व आरएनए बल्कि प्रोटीन को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे समय से पहले ही शरीर की कोशिकाएं मरने लगती हैं। अंततः शरीर समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि रासायनिक पदार्थों द्वारा संरक्षित डिब्बाबंद खाना हमारे शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं कालांतर व्यक्ति मोटापा, हृदय रोग, दूसरी श्रेणी के मधुमेह व गठिया जैसे रोगों का भी शिकार हो सकता है। दरअसल, खाद्य पदार्थों का बाजार चलाने वाली कंपनियों की कोशिश होती है कि खाने को देर तक संरक्षित किया जाए। खाद्यान्न को प्रसंस्कृत करने के लिये सुरक्षित रखने वाले रासायनिक पदार्थों व सोडियम का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में चीनी तथा शरीर के लिये नुकसानदायक रसायन, वसा व कार्बोहाइड्रेट भी खाने को देर तक चलने लायक बनाने के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं। जो आखिरकार हमारी सेहत से खिलवाड़ ही करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अधिक मात्रा में स्टार्च का भी प्रयोग करती हैं। ये कालांतर शरीर में शूगर बढ़ने से मधुमेह का खतरा पैदा कर सकती हैं। अधिक तेल भी सेहत के लिये घातक होता है। सेहत वैज्ञानिक लंबे अरसे से कहते रहे हैं कि डिब्बाबंद खाना व जंकफूड शरीर में मोटापा बढ़ाता है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालांतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हाल के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तरजीह दे रही है।

# नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक अल्फ्रेड वर्नर

(लेखक- -संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

(जन्मतिथि 12 दिसंबर पर विशेष)

अल्फ्रेड वर्नर, फैक्ट्री फोरमैन जे.ए. के पुत्र वर्नर, का जन्म 12 दिसंबर, 1866 को अलसैस के मुलहौसेन में हुआ था, जहां उन्होंने पढ़ाई की। स्कूल में रहते हुए उन्होंने रसायन विज्ञान में रुचि दिखाई और जब वे केवल 18 वर्ष के थे, तब उन्होंने अपना पहला स्वतंत्र रासायनिक प्रयोग किया। वे एक स्विस रसायनज्ञ थे, जो ज्यूरिख के छात्र और ज्यूरिख विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। उन्होंने संक्रमण धातु परिसरों के अष्टफलकीय विन्यास का प्रस्ताव देने के लिए 1913 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीता। 1885 से 1886 तक उन्होंने कार्लजूए में अपनी सैन्य सेवा की और इस दौरान उस शहर के तकनीकी हाई स्कूल में एंगलर के पाठ्यक्रमों में भाग लिया। 1886 में उन्होंने ज्यूरिख में फेडरल टेक्निकल हाई स्कूल में दाखिला लिया और 1889 में उन्होंने तकनीकी रसायन विज्ञान में डिप्लोमा प्राप्त किया। वहां पढ़ाई के दौरान वे प्रोफेसर ए. हंट्ज़स्च से बहुत प्रभावित हुए। 1889 में उन्हें ज्यूरिख टेक्निकल हाई स्कूल में प्रोफेसर लंज की प्रयोगशाला में सहायक के रूप में नियुक्त किया गया और फिर प्रोफेसर हंट्ज़स्च के साथ अनुसंधान में सहयोग करना शुरू किया। 1890 में उन्होंने ज्यूरिख विश्वविद्यालय से नाइट्रोजन युक्त अणुओं में परमाणुओं की स्थानिक व्यवस्था पर थीसिस के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1890 से 1891 तक उन्होंने इस विषय पर आगे काम किया और पेरिस की यात्रा की, जहां उन्होंने कॉलेज डी फ्रांस में प्रोफेसर बर्थेलॉट के अधीन काम किया। 1892 में वे तकनीकी हाई स्कूल में एक शिक्षक के रूप में ज्यूरिख लौट आए, और 1893 में उन्हें विक्टर मर्ज़ का अनुसरण करने और फिर कार्बनिक रसायन विज्ञान में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम देने के लिए नियुक्त किया गया।1895 में, जब वे केवल 29 वर्ष के थे, तब वे विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर बने और कार्बनिक रसायन विज्ञान पर व्याख्यान देने लगे। 1902 में, उन्होंने अकार्बनिक रसायन विज्ञान पर व्याख्यान देने का कार्यभार संभाला। 1895 में उन्हें स्विस नागरिकता प्राप्त हुई, और हालाँकि उन्हें वियना, बेसल और वुर्जबर्ग में पदों की पेशकश की गई, लेकिन उन्होंने ज्यूरिख में रहने का विकल्प चुनते हुए इन्हें अस्वीकार कर दिया।वर्नर का नाम हमेशा उनके द्वारा विकसित समन्वय सिद्धांत और अणुओं में परमाणुओं के स्थानिक संबंधों पर उनके काम से जुड़ा रहेगा, जिसकी नींव उनके द्वारा किए गए काम में रखी गई थी, जब वह केवल 24 वर्ष के थे, अपने डॉक्टरेट थीसिस के लिए 1892 में। इस कार्य में उन्होंने यह विचार विकसित किया कि कई टर्वलेंट नाइट्रोजन यौगिकों में, नाइट्रोजन परमाणु के तीन वैलेंस बांड नाइट्रोजन परमाणु की ओर निर्देशित होते हैं, जो चतुष्फलक के तीन कोनों में स्थित होते हैं, जबकि चौथे कोने पर नाइट्रोजन परमाणु का कब्जा होता है। 1891 में, उन्होंने सापेक्षता और संयोजकता के सिद्धांत पर एक पेपर प्रकाशित किया था, जिसमें उन्होंने केकुले के निरंतर संयोजकता के सिद्धांत को पेश किया था। यह विचार था कि सापेक्षता एक परमाणु के केंद्र से निकलने वाली एक आकर्षक शक्ति है जो दुनिया के सभी हिस्सों पर समान रूप से लागू होती है। 1893 में, उन्होंने खनिज यौगिकों पर एक पेपर में परिवर्तनशील संयोजकता के अपने सिद्धांत को बताया, जिसके अनुसार अकार्बनिक आणविक यौगिकों में एक एकल परमाणु होता है, जो अन्य परमाणुओं, रेडिकल्स या अणुओं की एक विशिष्ट संख्या द्वारा व्यवस्थित केंद्रीय नाभिक के रूप में क्षेत्र, ज्यामितीय पैटर्न पर कार्य करता है। वह आंकड़ा जो केंद्रीय नाभिक के चारों ओर एकत्रित परमाणुओं की संख्या को व्यक्त करता है, उसे वर्नर ने समन्वय संख्या कहा था। इन समन्वय संख्याओं में सबसे महत्वपूर्ण 3, 4, 6 और 8 हैं, संख्या 6 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हजारों आणविक यौगिक संख्या 6 प्रकार के अनुरूप हैं, और उनमें से अधिकांश में एक केंद्रीय परमाणु होता है जिसके परमाणु अष्टफलक के कोनों से जुड़े होते हैं।

अगले 20 वर्षों में, वर्नर और उनके सहयोगियों ने आणविक यौगिकों की एक नई श्रृंखला का अध्ययन किया और तैयार किया, और उनके संगठन का पता लगाया। उन पर कई पत्र प्रकाशित किए गए, जिनमें से अकेले 150 थे। अंत में, उनका काम अध्ययन किए गए परिसरों के ऑप्टिकली-सक्रिय आइसोमर्स की खोज में समाप्त हुआ, जिनके अस्तित्व की भविष्यवाणी उनकी परिकल्पना द्वारा की गई थी। ऑक्टाहेड्रल समरूपता के साथ ऑप्टिकली-सक्रिय परिसरों की 40 से अधिक श्रृंखलाओं को ऑप्टिकली सक्रिय रूपों से अलग किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप समन्वय संख्या 6 पर संरचनाओं का स्थानिक विन्यास वैन टी टेट्राहेड्रल कार्बन परमाणु के समान दृढ़ता से स्थापित किया गया था। वर्नर ने अन्य निर्देशांक संख्याओं, विशेष रूप से 4, के साथ समस्याओं पर भी काम किया, जहां रूप टेट्राहेड्रल या समतल वर्ग हो सकता है। पॉल फ़िफ़र की तरह, ग्रेट केमिस्ट्स (1961, एडुआर्ड फार्बर, इंटरसाइंस, न्यूयॉर्क द्वारा संपादित) में प्रकाशित वर्नर के काम के अपने विवरण में उन्होंने नोट किया कि वर्नर का समन्वय सिद्धांत अकार्बनिक रसायन विज्ञान के साथ-साथ कार्बनिक रसायन विज्ञान की पूरी श्रृंखला तक फैला हुआ है। इस पर अपने काम के लिए, वर्नर को 1913 में रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वर्नर गौटिंगेन में रॉयल सोसाइटी ऑफ साइंसेज (कोनिग्लिशे गेसेलशाफ्ट डेर विसेंसचाफ्टन) और एर्लांगेन की फिजिको-मेडिकल सोसाइटी (फिजिकालिस्च-मेडिज़िनिशे सोज़िएटे) के संबंधित सदस्य थे। उन्होंने जिनेवा विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, और उसी शहर में सोसाइटी ऑफ नेचुरल साइंसेज एंड नेचुरल हिस्ट्री, फ्रैंकफर्ट/मेन के फिजिकल एसोसिएशन (फिजिकलिसचर वेरेइन), हफ़्ट, सोसाइटी जर्मन बन्सेंजेसेलस्क के मानद सदस्य थे। लॉज़ेन में वाउडोइस डेस साइंसेज नेचरलेज़ और लंदन की केमिकल सोसायटी के मानद सदस्य थे।।

(चिंतन-मनन)

# व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रुकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज।

व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है।

उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

विचार मंथन

# आर्थिक कारणों से अन्नदाताओं के बगावती तेवर

(लेखक - सनत जैन)

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में किसानों की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। नाबार्ड की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। 4.476 करोड़ किसान परिवारों की मासिक औसत आय मात्र 13,661 रुपये है। जो प्रति दिन की आय 150 रुपये से भी कम है। जिसके कारण अधिकांश किसान परिवार आर्थिक तंगी के सबसे भयावह दौर से गुजर रहे हैं। किसान खेती के अलावा पशुपालन, मजदूरी और अन्य माध्यम से जो थोड़ी किसानों को आय होती है। उसी से वह किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। छोटे किसानों की हालत मजदूरों से भी गई बीती हो गई है। नाबार्ड की रिपोर्ट के अनुसार खेती से किसानो की औसत मासिक आय केवल 1,677 रुपये है। किसानों के पास जरुरी संसाधन और कोई बचत नहीं है। हर छोटे किसान के ऊपर कर्ज का भार है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है, कि 91,231 रुपये का औसत कर्ज देश के किसान परिवारों पर है। भारत मे केवल 9.1ब किसान परिवार कर्ज से मुक्त हैं। लघु सीमांत किसान छोटे किसान सभी कर्ज के भार से दबे हुए हैं। खेती की लागत पिछले 10 वर्षों में बेतहासा बढ़ने, उपज के उचित दाम नही मिलने और कर्ज के बोझ से किसानों और उनके परिवार का जीवन जीना कठिन हो गया है। देश के 55.4ब किसान परिवार कर्ज के भारी बोझ से दबे हुए हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियों में सुधार की जरूरत है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करना आवश्यक है। तीन वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है। किसान सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। सरकार ने जो वायदे किए थे, उससे केन्द्र सरकार मुकर गई है। निहत्थे किसानों पर जिस तरीके से पुलिस बल का प्रयोग किया जा रहा है।

उसके कारण किसान नाराज होकर अब आर पार की लड़ाई लड़ने सड़कों पर उतर रहे हैं। बैंक और सहकारी समितियां द्वारा डिफाल्टर होने पर किसानों से ब्याज पर दंड ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज पर तुरंत रोक लगाने की व्यवस्था सरकार को करना होगी। इसके अलावा, कृषि के लिए आधुनिक तकनीकों और सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी हो गया है। केंद्र एवं राज्य सरकारें किसानों और कृषि के लिये सही नीतियाँ बनाकर उन्हें लागू कराएं, तभी किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। जीवन जीने के लिए कृषि क्षेत्र का मजबूत करना सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता में होना चाहिए।

किसानों के साथ जो धोखाधड़ी सहकारी समितियां और सूदखोरों द्वारा की जा रही है। इस पर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है। सहकारी समितियां से लिए गए कर्ज पर यदि किसान एक बार डिफाल्टर हो जाता है, तो कई गुना कर्ज और ब्याज का बोझ किसान के ऊपर सहकारी संस्थाओं और बैंकों द्वारा डाल दिया जाता है। जिसके कारण किसान जीवन भर उस कर्ज को चुका नहीं पाता है। हताशा में किसानों को आत्महत्या तक करनी पड़ रही है। कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक योजना और ठोस प्रयास आवश्यक हैं। किसानों से ऋण में दिया गया मूलधन वापस करने का ही कानून बनाया जाना चाहिए। यदि किसान डिफाल्टर हो जाता है। ऐसी स्थिति में उसके ऊपर ब्याज का बोझ नहीं आना चाहिए। किसानों से यदि केवल मूल कर्ज की वसूली होगी।

तभी जाकर किसानों की आर्थिक स्थिति मैं सुधार आ सकता है। किसानों की आय और बचत बढ़ने से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकती है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान है। भारत में कृषि क्षेत्र ही सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। कृषि क्षेत्र में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों का प्रवेश हो रहा है। यह स्थिति देश को बर्बाद करने की दिशा में बढ़ता कदम होगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर खत्म हो जाएंगे। भारत कृषि प्रधान देश है।

संघीय व्यवस्था होने के कारण प्रत्ये राज्य की अपनी विविधता है। कृषि क्षेत्र के कारण स्थानीय स्तर पर करोड़ों लोगों को स्थानीय राजगार उपलब्ध होता है। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकारों को कृषि क्षेत्र एवं किसानों को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में विशेष प्रयास करने चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## वारी एनर्जीज के शेयरों में जबरदस्त उछाल, मॉड्यूल सप्लाई का मिला बड़ा ऑर्डर

**कंपनी ने 28 अक्टूबर 2024 को शेयर बाजार में किया था डेब्यू**

**नई दिल्ली।** सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। बीएसई पर आज इंट्रा-डे ट्रेड में कंपनी के शेयर 7 फीसदी तक चढ़े। कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी से एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए नया ऑर्डर मिला है। यह शेयर में बढ़त का लगातार पांचवां सत्र है। कंपनी ने 28 अक्टूबर, 2024 को शेयर बाजार में डेब्यू किया था। लिस्टिंग के बाद से वारी एनर्जीज के शेयर बाजार में धूम मचा रहे हैं। अपने इश्यू प्राइस से शेयर फिलहाल 97.70 फीसदी की बढ़त बनाए हुए हैं। वारी एनर्जीज ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कंपनी को 10 दिसंबर को एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए भारत में रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स के स्वामित्व, विकास और संचालन के बिजनेस में संलग्न एक प्रतिष्ठित ग्राहक से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। शेयर बाजार को दी सूचना के मुताबिक यह महत्वपूर्ण सप्लाई ऑर्डर वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू होकर 2025-26 तक जारी रहेगा। हालांकि, कंपनी ने इस ऑर्डर के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। बीएसई पर मंगलवार को कंपनी के शेयर 7.2 फीसदी बढ़कर अपने इंट्रा-डे हाई 3184.95 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि कारोबार के अंत में वारी एनर्जीज के शेयर 5.55 फीसदी की बढ़त के साथ 3136.50 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों ने 11.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। वारी एनर्जीज के शेयर 28 अक्टूबर 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए। शेयर का इश्यू प्राइस 1503 रुपए था और लिस्टिंग के पहले दिन शेयर 2,336.80 के भाव पर बंद हुआ। इस तरह से कंपनी ने निवेशकों को 55.48 फीसदी का शानदार लिस्टिंग गेन दिया। फिलहाल कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 97.70 फीसदी की बढ़त पर हैं।

## नैचुरल हीट बढ़ने से खतरे में गारमेंट बिजनेस, 65 अरब डॉलर का हो सकता है नुकसान

**-पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम में ब्रांडेड कंपनियां कराती हैं उत्पाद तैयार**

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम वह देश हैं जहां बड़ी और ब्रांडेड गारमेंट कंपनियां उत्पाद तैयार कराती हैं। जहां इन कपड़ों का निर्माण होता है वहां बहुत गर्मी पड़ती है। अब एक और समस्या सामने आ गई है कि पर्यावरण में बदलाव के कारण नैचुरल हीट में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इन कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों को गर्मी की दोगुनी मार झेलनी पड़ रही है। एक रिसर्च रिपोर्ट में पाया है कि अत्यधिक गर्मी या बाढ़ से बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान और वियतनाम के कपड़ा निर्यात उद्योग को 65 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारतीय करेंसी में यह 5.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा होगा। बता दें कि इस रिपोर्ट में रिटेलर्स और ब्रांड्स को यह सुझाव भी दिया गया है कि वे अपने कर्मचारियों के वेतन और हेल्थ पर खर्च को बढ़ाएं अत्यधिक हीट के कारण होने वाले कार्य दिवस के नुकसान की भरपाई हो सके। इसको देखते हुए अब यूरोपियन यूनियन ने नए नियम लागू किए हैं। यह नियम नाइकी, एचएंडएम और इन्हीं के जैसी अन्य गारमेंट कंपनियों को कानूनी रूप से इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए बाध्य करती हैं। इन कंपनियों को ही पाकिस्तान, बांग्लादेश या वियतनाम में काम कर रहे अपने सप्लायर्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में कूलिंग का पर्याप्त इंतजाम करना होगा। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ग्लोबल लेबर इंस्टीट्यूट ने पाया है कि ढाका, हनोई, हो चि मिन्ह सिटी और कराची जैसे शहरों में 'वेट बल्ब' के दिनों में 42 फीसदी का उछाल आया है। वेट बल्ब तापमान मापने का एक तरीका है जिसमें 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान नोट किया जाता है। इसी पैमाने के मुताबिक जिस दिन तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होता है उसे वेट बल्ब डे कहा जाता है और ऐसे दिनों में 2005-2009 के मुकाबले 2020-24 में 42 फीसदी का उछाल आया।

# खाद्य पदार्थों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.5 फीसदी हुई

**नई दिल्ली।**

खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उम्मीद है कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण सीपीआई मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी, जबकि अक्टूबर में यह 6.2 फीसदी थी। ऐसा खाद्य कीमतों में नरमी के कारण होगा, जबकि कोर कीमतों में तेजी और ईंधन कीमतों में लगातार गिरावट हो रही है। खाद्य कीमतों में कमी और कोर सीपीआई में कमी के कारण सूचकांक में गिरावट आएगी। कोर सीपीआई में वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, लेकिन खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, जिनकी कीमतें अस्थिर मानी जाती हैं। अक्टूबर में सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 6.21 फीसदी रह गई, क्योंकि महीने के दौरान सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आई। यह पहली बार था, जब मुद्रास्फीति ने हाल के महीनों में आरबीआई की 6 फीसदी की ऊपरी सीमा को पार किया। खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में दर्ज 5.49 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में सब्जियों की कीमतों में 42.18 फीसदी बढ़ गई, क्योंकि इस साल मानसून के देर से वापस आने के कारण फसलों को नुकसान हुआ और बाजार में आपूर्ति कम हुई। आरबीआई गवर्नर ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत की विकास की कहानी अभी बरकरार है। मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है, लेकिन हम भविष्य में कई जोखिमों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस जोखिम को कम नहीं आंका जा सकता। आरबीआई गवर्नर अर्थव्यवस्था के परिदृश्य के बारे में आशावादी थे, उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से बना हुआ है।

## सीमेंट निर्माता कंपनियों ने बढाए 40 रुपये प्रति बोरी सीमेंट के दाम

**नई दिल्ली ।**

देश में घर बनाना अब और भी महंगा हो गया है। देश में सीमेंट के रेट 40 रुपये प्रति बोरी तक बढ़ गए हैं। जैसे ही सीमेंट की मांग बढ़ती है। उसके साथ सीमेंट निर्माता सीमेंट के दाम बढ़ा देते हैं। सीमेंट डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार पश्चिमी भारत में 50 किलो की सीमेंट की बोरी 350 से लेकर 400 रुपये के बीच में बिक रही है। दिल्ली एनसीआर में सीमेंट की कीमत 340 से 395 रुपए के बीच में है। दक्षिण भारत में सीमेंट की बोरी 350 रुपए से 340 रुपए के बीच में बिक रही है। सीमेंट निर्माता कंपनियों ने डीलरों का मार्जिन घटा दिया है। वही सीमेंट के रेट निर्माताओं ने बढ़ा दिए हैं। सीमेंट कारोबार से जुड़े हुए लोगों का कहना है। अगले 6 महीने तक सीमेंट के रेट में तेजी बनी रहेगी। सीमेंट कंपनियां करटेल बनाकर मांग बढ़ने के साथ ही सीमेंट के दामों में वृद्धि कर देती हैं। जिसके कारण भारत में भवन निर्माण की लागत लगातार बढ़ती जा रही हैं।

## स्विग्गी के शेयर नीचे आए, मार्केट कैप भी गिरकर 1.16 लाख करोड़ हुआ

**नई दिल्ली।**

ऑनलाइन फूड डिलीवर कंपनी स्विग्गी के शेयर बुधवार को 5 फीसदी नीचे आ गए। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 5 फीसदी गिरकर 515.95 रुपए और 516.50 रुपए पर आ गया। शेयरों में गिरावट के साथ स्विग्गी का मार्केट कैप भी बीएसई पर गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपए रह गया। एंकर निवेशकों के लिए एक महीने की लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली के चलते स्विग्गी के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। लॉक-इन खत्म होने के बाद स्विगी के करीब 6.5 करोड़ के शेयर या कंपनी में 3 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी ट्रेड के लिए एलिजिबल हो गई। इससे निवेशकों के लिए आगे बढ़ने और 50 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के दरवाजे खुल गए हैं। एंकर निवेशकों के अधिकार वाले शेष 50 फीसदी शेयरों की लॉक-इन अवधि 9 फरवरी 2025 को खत्म हो रही है। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.71 अंक या 0.12 फीसदी बढ़कर 81,608.76 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 45.65 अंक या 0.19 फीसदी बढ़कर 24,655.70 पर पहुंच गया। पिछले महीने स्विगी का आईपीओ एक्सचेंजों पर करीब 17 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। स्विगी के 11,327 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को बोली के लास्ट डे पूरी तरह से सब्सक्राइब किया था और यह इश्यू को 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

# शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

**मुंबई ।**

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के अंत में 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी के पीएसयू बैंक, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में बिकवाली हावी रही जबकि ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियलिटी सेक्टर में लिवाल का माहौल रहा। वहीं निवेशकों ने गुरुवार को जारी हाने वाले नवंबर के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) डेटा को देखते हए सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 16.09 अंक करीब 0.02 फीसदी की हल्की बढ़त के बाद 81,526.14 पर पहुंच गया। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.75 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी की बढ़त के बाद 24,641.80 स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, मारुति, भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे जबकि , जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, एसबीआई, रिलायंस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार, भारतीय बाजार में आज सूक्ष्म उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जो अमेरिकी सीपीआई मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में मौजूद मिश्रित भावनाओं को दिखाता है।जानकारों ने आगे कहा कि अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि बॉन्ड यील्ड में हल्की बढ़त रही। इसके अलावाएफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल्स सहित डिफेंसिव सेक्टर्स में तेजी देखी गई। चीन से प्रोत्साहन उपायों की संभावना से मेटल सेक्टर में तेजी रही। निफ्टी बैंक 186.35 अंक या 0.35 फिसदी फिसलने के बाद 53,391.35 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 157.55 अंक करीब 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 59,292.95 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 74.15 अंक करीब 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 19,657.35 पर बंद हुआ। बीएसई पर 2,148 शेयर लाभ में जबकि 1,836 नुकसान में बंद हुए, 112 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5.01 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर 81,515.06 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 13.75 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 24,623.8 पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन निफ्टी की वित्तीय सेवा और निजी बैंक सेक्टर में बिकवाली रही।

बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के आने से लार्ज कैप शेयरों, विशेषकर बैंकिंग और आईटी में मजबूती है। निफ्टी बैंक 122.45 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी नीचे आकर 53,455.25 पर था। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 5.45 अंक या 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 59,129.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.45 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,636.65 पर था।

# एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयर 5.28 फीसदी उछले

**-कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर को हुआ था लिस्ट**

**नई दिल्ली।**

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के लिस्ट शेयर बुधवार को हाई डिमांड पर रहे और एनएसई पर कंपनी के 1.28 करोड़ शेयरों में कारोबार हुआ। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर प्राइस बुधवार को एनएसई पर 5.28 फीसदी चढ़कर 154.40 रुपए पर पहुंच गया। स्टॉक में यह तेजी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की एक सब्सिडियरी कंपनी को 500 मेगावाट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट मिलने के चलते आई है। एनटीपीसी ग्रीन ने कहा था कि सब्सिडयरी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 3.52 रुपए प्रति किलोवाट के टैरिफ पर 500 मेगावाट की सोलर एनर्जी क्षमता हासिल की है। इसमें कॉन्ट्रैक्ट पर सोलर क्षमता के साथ 250 मेगावाट 1000 मेगावाट के एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) को स्थापित करना शामिल है। बता दें कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर 2024 को लिस्ट हुआ था। तब से अब तक स्टॉक अपने इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में 42.8 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी नॉन-हाइड्रो रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर फर्म 'महारत्न' एनटीपीसी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। 30 सितंबर, 2024 तक कंपनी की ऑपरेशनल कैपेसिटी 3,320 मेगावाट थी।

इसमें छह राज्यों में फैली 3,220 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं और 100 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कुल मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ है। सुबह 10:40 बजे एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1.62 फीसदी या 2.37 रुपए चढ़कर 149.02 रुपए प्रति शेयर के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, एनएसई का निफ्टी-50 इस दौरान 0.27 फीसदी या 65.40 अंक चढ़कर 24,675.45 पर कारोबार कर रहा था।

## खरीदना हैं टाटा की कार.....जल्द खरीद लो यार, जनवरी से होगी महंगी

**मुंबई ।**

देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स की कारें खरीदना अगले साल से महंगा होगा। कंपनी ने बताया कि जनवरी 2025 से वह अपने पैसेंजर्स व्हीकल्स की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। इसके पहले मारुति सुजुकी, ह्युंदै सहित कई कंपनियां दाम बढ़ाने का ऐलान कर चुकी हैं। टाटा मोटर्स ने कहा कि कच्चे माल की लागत और महंगाई दर बढ़ोतरी के असर को कुछ कम करने के लिए वह व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने वाली है। जनवरी, 2025 से प्रभावी होने वाली बढ़ोतरी मॉडल और उनके वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स फ्लीट में टियागो, टिगोर, पंच, नेक्सान, कर्व, हैरियर, सफारी सहित अन्य मॉडल की व्यापक रेंज है। इसके पहले मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर सहित कई ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी अगले महीने से अपने गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, लक्जरी ऑटो मैन्युफैक्चरर मर्सिडीज-बेंज इंडिया, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने भी लागत और ऑपरेटिंग खर्च में बढ़ोतरी का हवाला देकर जनवरी से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। किआ इंडिया ने जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की।

# भारत रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन की बढ़ा रहा क्षमता

**वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में हो सकती है भारी बचत**

**नई दिल्ली।**

भारत वैश्विक तेल और गैस उत्पादों के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने की संभावना है। जब से भारत अपनी रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन और पाइपलाइन क्षमता को बढ़ा रहा है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबकि वैश्विक तेल कीमतों में कमजोरी बनी रहने की संभावना है, जो भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि भारत कच्चे तेल की जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात करता है।

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में भारी बचत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के तेल और गैस उत्पादन में मामूली बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन यह निर्भर करेगा कि ओएनजीसी तय समय पर उत्पादन और नामांकन ब्लॉकों में गिरावट को कैसे कम करता है। भारत की एलएनजी पुनर्गैसीकरण क्षमता में चालू वित्त वर्ष 2025 में कम से कम 25 फीसदी की बढ़ोतरी की की संभावना है, जो भारत की वैश्विक एलएनजी अवशोषण क्षमता को और बढ़ाएगी।

रिफाइनिंग क्षेत्र में भारत अपनी क्षमता में 9 फीसदी की वृद्धि करने की उम्मीद कर रहा है, जिससे प्रतिदिन 0.5 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का ऊर्जा संक्रमण तेज होगा और तेल और गैस कंपनियां अपने निवेश को इस क्षेत्र में शिफ्ट करेंगी। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े रिफाइनरी ट्रांसफॉर्मेशन परियोजनाओं की शुरुआत की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में कमी आई है, खासकर डीजल की मांग में और इसे आगे और कम होने की संभावना है। एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को कमजोर तेल कीमतों से लाभ होने की उम्मीद है, जबकि ओएनजीसी को तेल कीमतों में गिरावट के जोखिम के कारण कम करें रेटिंग दी गई है। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट का दबाव बना रहेगा, लेकिन गैस की कीमतों में निकट भविष्य में वृद्धि की संभावना है।

# इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ रही संख्या, सरकार लागू कर रही प्रोत्साहन योजनाएं

**परिवहन मंत्रालय ने राज्यों को रोड टैक्स माफ करने की दी सलाह**

**नई दिल्ली।**

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक 28,55,015 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और 2,57,169 चार पहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, हाल ही में संसद में बताया गया था।

भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी थी। ओडिशा राज्य में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 1,45,479 है, और राज्य का अडोप्शन रेट 1.24 फीसदी है। भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है।

फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) योजना, जो 1 अप्रैल, 2019 से शुरू हुई थी, इसके तहत 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय समर्थन प्रदान किया है। इस योजना के जरिए ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4 व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपए है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

केंद्र सरकार ने एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के लिए पीएलआई योजना को 18,100 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी है, जिसका लक्ष्य 50 गीगावॉट घंटे की बैटरी के लिए घरेलू मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करना है। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के समर्थन के लिए 10,900 करोड़ रुपए का परिव्यय है।

सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है और बैटरी से चलने वाले वाहनों को ग्रीन लाइसेंस प्लेट देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्हें परमिट की जरुरतों से भी छूट दी जाएगी।

## क्विक कॉमर्स कारोबार में उतरेगी एमेजॉन, निर्यात लक्ष्य 80 अरब डॉलर रखा

**नई दिल्ली।**

क्विक कॉमर्स कारोबार में तेजी को देखते हुए एमेजॉन ने भी इस क्षेत्र में उतरने का फैसला किया है। इसके साथ ही कंपनी ने 2030 तक भारत से कुल निर्यात का लक्ष्य बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दिया है। 'विकसित भारत' संकल्प के तहत 2025 तक कंपनी ने 20 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि इस साल कंपनी ने 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया है और वह 2025 में 20 अरब डॉलर के अपने पिछले निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। एमेजॉन की प्रतिस्पर्धी कंपनी वॉलमार्ट भी भारत से आपूर्ति लक्ष्य बढ़ा रही है। उसने 2027 से सालाना 10 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं की आपूर्ति का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन इंडिया ने 15-मिनट में सामान की डिलिवरी करने की सेवा शुरू करने की योजना का खुलासा किया। एमेजान इंडिया के कंट्री हेड ने कहा कि कंपनी इस महीने बेंगलूरु में इसे प्रायोगिक तौर पर शुरू करेगी। हालांकि उन्होंने क्विक कॉमर्स योजना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स में हमारा ध्यान सबसे तेजी के साथ कई वस्तुओं की आपूर्ति करने की है। हमने 42 हजार से ज्यादा विक्रेताओं से ऑर्डर के दिन या उसके अगले दिन करीब तीन करोड़ से ज्यादा उत्पादों की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि भारत में बहुत कुछ ऐसा है जहां हम अभी तक नहीं पहुंचे हैं। हम बड़े शहरों में क्विक कॉमर्स की बात करते हैं लेकिन हमें देश के अन्य हिस्सों के बारे में भी सोचना चाहिए। निर्यात योजना के बारे उन्होंनेने कहा कि भारतीय एमएसएमई, विनिर्माताओं और स्टार्टअप के साथ ही मेड इन इंडिया उत्पादों की आपूर्ति के लिए एमेजॉन के वैश्विक बिक्री योजना के जरिये कंपनी ने 80 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। इनमें घरेलू व रसोई संबंधी उत्पाद, कपड़े और परिधान, खिलौने, स्वास्थ्य और पोषाहार, आयुर्वेद उत्पाद आदि शामिल हैं। एमेजॉन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि भारत एमेजॉन के लिए प्रमुख बाजार है और हमारा दृष्टिकोण छोटे कारोबारों को डिजिटल बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के सरकार के नजरिये के अनुरूप है।

# सीएनआई रिसर्च ने एक साल में दिया जबरदस्त रिटर्न, शेयरों में आई तूफानी तेजी

**नई दिल्ली।**

सीएनआई रिसर्च जिसने अपने प्रदर्शन से निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बीते एक साल में इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को 654.59 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न देकर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसके शेयरों में तूफानी तेजी दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 17.19 रुपए के लेवल पर कामकाज की शुरुआत की और कुछ देर बाद पांच फीसदी के अपर सर्किट के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर 52 वीक का नया हाई छुआ है। कारोबार के आखिर में बीएसई पर यह 4.98 फीसदी तेजी के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कुछ शेयर ऐसे होते हैं जो निवेशकों को कम समय में ही शानदार रिटर्न देकर मालामाल कर देते हैं। अगर सीएनआई रिसर्च के शेयरों का प्रदर्शन देखें तो बीते एक हफ्ते में 27.34 फीसदी की तेजी आई है। इसने बीते एक महीने में 19.15 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते 3 महीने में 47.19 फीसदी तेजी आई है। इस साल 644.83 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बीते 3 साल में कंपनी के शेयरों में 441.69 फीसदी मजबूती आई। मल्टीबैगर कंपनी सीएनआई रिसर्च का 52 वीक का हाई प्राइस 17.28 रुपए है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 2.14 रुपए है। इस कंपनी का मार्केट कैप 263 करोड़ रुपए है। कंपनी रिसर्च फर्म के रूप में काम करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# स्मृति मंधाना के शतक के बावजूद हारा भारत, ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 3-0 से जीती

**पर्थ (एजेंसी)।** सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शतक के बावजूद भारत को तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 83 रन की हार के साथ 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। अरुंधति रेड्डी (26 रन पर 4 विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से भारत ने वाका पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 78 रन कर दिया था लेकिन अनाबेल सदरलैंड (95 गेंद में 110 रन, 9 चौके, 4 छक्के) के शतक से मेजबान टीम छह विकेट पर 298 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। सदरलैंड ने एशलेग गार्डनर (50) के साथ 5वें विकेट के लिए 96 और कप्तान तहलिया मैकग्रा (56) के साथ छठे विकेट के लिए 122 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

जवाब में भारतीय टीम मंधाना की 109 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 105 रन की पारी के बावजूद 45.1 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। जब तक स्मृति क्रीज पर थी तब तक भारत की जीत की उम्मीद बंधी हुई थी लेकिन उनके आउट होने के साथ मेहमान टीम की सांत्वना जीत दर्ज करने की उम्मीद भी टूट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऑफ स्पिनर एशलेग ने 30 रन देकर पांच विकेट चटकाए। लेग स्पिनर एलेना किंग ने भी 27 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मंधाना को दूसरे छोर पर अन्य बल्लेबाजों से समर्थन नहीं मिला। एलेना ने हरलीन देओल (64 गेंद में 39 रन) को अपनी ही गेंद पर लपककर मंधाना के साथ उनकी दूसरे विकेट की 118 रन की साझेदारी का अंत किया जिसके बाद टीम ने लगातार विकेट गंवाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पांचवें ओवर में ही रिचा घोष (02) का विकेट गंवा दिया जिन्हें मेगान शूट ने बोल्ड किया। टीम को कप्तान हरमनप्रीत कौर (22 गेंद में 12 रन) और जेमिमा रोड्रिग्ज (11 गेंद में 16 रन) से काफी उम्मीदें थी लेकिन इन दोनों ने निराश किया। सीनियर बल्लेबाज दीप्ति शर्मा भी खाता खोलने में नाकाम रहीं। इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद फोएबे लिचफील्ड (25) और जॉर्जिया वोल (26) ने पहले विकेट के लिए 10.1 ओवर में 58 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। अपना पांचवां एकदिवसीय खेल रही अरुंधति ने हालांकि 11वें ओवर में चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके ऑस्ट्रेलिया को दोहरा झटका दिया।

अरुंधति ने अंदर की ओर स्विंग होती गेंद पर पिछली मैच की शतकवीर वोल को बोल्ड किया जबकि बाएं हाथ की बल्लेबाज लिचफील्ड को बाहर की ओर स्विंग होती गेंद पर विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों कैच कराया। अरुंधति ने इसके बाद ऑलराउंडर एलिस पैरी (04) को बोल्ड किया और फिर बेथ मूनी (10) को रिचा के हाथों कैच कराया जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना विकेट के 58 रन से चार विकेट पर 78 रन हो गया। सदरलैंड और एशलेग ने इसके बाद पारी को संभाला।

सदरलैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्पिनरों को निशाने पर रखा और 40वें ओवर में दीप्ति शर्मा पर दो चौके और एक छक्का मारा। दीप्ति ने 34वें ओवर में एशलेग को मीनू मनि के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। एशलेग ने 64 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके मारे। सदरलैंड को इसके बाद कप्तान तहलिया के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिली और दोनों ने तेजी से रन जुटाए तथा टीम का स्कोर 300 रन के करीब पहुंचाया। सदरलैंड ने पारी के अंतिम ओवर में दीप्ति पर मिड विकेट के ऊपर से छक्का जड़कर शतक पूरा किया लेकिन इसके बाद रन आउट हो गईं।

## इस्राइल के याहिल बने वाले एललोब्रेगाट ओपन 2024 के विजेता. भारत की तेजस्विनी को डबल्यूजीएम नार्म

**स्पोर्ट्स डेस्क।** स्पेन के सबसे मजबूत टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम रखने वाले एललोब्रेगाट ओपन शतरंज 2024 का खिताब इज़राइल के ग्रांड मास्टर याहिल सोकोलोव्स्की नें अपने नाम कर लिया है ,यहिल नें पहले बोर्ड पर अंतिम राउंड में हमवतन इंटरनेशनल मास्टर ओर ब्रोंस्टेन से अपनी बाजी ड्रॉ करते हुए 7.5 अंक बना लिए थे और ऐसे में दूसरे बोर्ड पर खेल रहे टॉप सीड चिली के ग्रांड मास्टर क्रिस्टोबल हेनरिक विजाग्रा के पास मौका था की वह फीडे के ग्रांड मास्टर सव्वा वेतोखिन को पराजित कर पहले स्थान के लिए टाई कर सके पर इस बराबर चल रहे मुक़ाबले में ज्यादा प्रयास करना उन्हे भारी पड़ा और वह बाजी हार गए और ऐसे में 7 अंको के साथ सव्वा वेतोखिन दूसरे स्थान पर पहुँच गए।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार क्रिस्टोबल को बेहतर टाईब्रेक में 6.5 अंको पर तीसरे स्थान के लिए इज़राइल के ग्रांड मास्टर इदों गोर्शतेन से दो ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जिसमें उन्होने दोनों मुक़ाबले जीतकर 2-0 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

भारतीय महिला खिलाड़ी तेजस्वनी जी नें टूर्नामेंट में 5.5 अंक बनाते हुए 38वां स्थान हासिल किया , बड़ी बात है की इसटूर्नामेंट में उनकी वरीयता 82 थी और उन्होने 2375 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2300 के करीब पहुंचाते हुए अपना दूसरा महिला ग्रांड मास्टर नार्म हासिल कर लिया है और इसके साथ ही अब उन्हे महिला ग्रांड मास्टर बनने के लिए करीब 53 रेटिंग अंक और अंतिम नार्म की जरुरत है।

## रोहित आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे: परांजपे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भले ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विफल रहे हों पर वह बचे हुए तीन मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रोहित दिन-रात के दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम में उतरे थे और दोनो ही पारियों में मिलाकर भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पये। इससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज में भी वह असफल रहे थे। इससे उनके पिछले 6 टेस्ट की औसत घटकर 11.83 हो गई है। रोहित को अपने गेंदबाजों का सभी तरीके से उपयोग नहीं करने के कारण भी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

परांजपे ने कहा कि पिछली कुछ टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है पर मुझे लगता है कि फॉर्म अस्थायी है और क्लास स्थायी है। मुझे रोहित के अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर भरोसा है क्योंकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह मुंबई के खिलाड़ी हैं। जब चीजें कठिन होती हैं तो वे आपके खिलाफ जीत हासिल करने के लिए जाने जाते हैं। मुझे लगा कि एडिलेड में इस टेस्ट मैच में वह थोड़ा खराब थे पर मुझे भरोसा है कि वह वापसी करेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कुछ भी गलत नहीं है, बस उन्हें मैदान पर एक या दो घंटे टिककर खेलने की जरूरत है।

परांजपे ने कहा, रोहित को 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करनी चाहिए। सलामी बल्लेबाज के स्थान पर वापस आना उनके लिए एक आरामदायक क्षेत्र है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह यशस्वी जायसवाल के साथ शीर्ष स्थान पर वापस आएंगे। वहीं केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेज जाएगा। मैंने यह भी सोचा कि पहले कुछ दिनों में वह अपनी कप्तानी में थोड़ा कमजोर थे और मुझे भरोसा है कि वह आने वाले तीन मैचों में अपनी पुराने अंदाज में दिखेंगे। वहीं परांजपे ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की कप्तानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 3 से 4 साल में वह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ कप्तान के तौर पर उभरे हैं। एडीलेड में उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

# लिंडे का ऑलराउंड प्रदर्शन और मिलर की आतिशी पारी, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया

**डरबन(एजेंसी)।** जॉर्ज लिंडे (48 रन और चार विकेट) के हरफनमौल प्रदर्शन और डेविड मिलर (82) रनों की आतिशी पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। जॉर्ज लिंडे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

दक्षिण अफ्रीका के 183 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने बाबर आजम (शून्य) का विकेट तीसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद सईम अयूब ने कप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में ऐंडिले सिमेलाने ने सईम अयूब (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर मे लिंडे ने उस्मान खान (नौ) को आउट किया।

तय्यब ताहिर (18), शाहीन शाह अफरीदी (9), इरफान खान (एक) और अब्बास अफरीदी (0) पर आउट हुए। हालांकि कप्तान मोहम्मद

रिजवान एक छोर थामे खड़े रहे। 20वें ओवर में वेना मफाका ने मोहम्मद रिजवान को आउट कर पाकिस्तान के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। रिजवान ने 62 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। हारिस रउफ (दो) और सुफियान मकीम (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 11 रनों से मैच हार गई। वेस्टइंडीज की ओर से जॉर्ज लिंडे ने 21 रन देकर चार विकेट लिए। वेना मफाका को दो विकेट मिले। ऑटनील बाटमैन और ऐंडिले सिमेलाने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (82) और जॉर्ज लिंडे (48) रनों की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 183रन का स्कोर खड़ा किया।

कप्तान हाइनरिक क्लासन (12) और वेना मफाका (नाबाद (12) रनों का योगदान दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट झटके। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। सुफियान मकीम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

## रुट के पसंदीदा खिलाड़ी हैं हैरी ब्रूक

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट अभी विश्व के चार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं और उनकी गिनती , विराट कोहली, केन विलियमसन और स्टीव स्मिथ जैसे बल्लेबाजों के साथ होती है। वहीं रूट के पसंदीदा खिलाड़ियों में विराट विलियमम्स और स्मिथ नहीं बल्कि एक नया बल्लेबाज हैरी ब्रूक है। ब्रूक ने हाल हीम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेली। इस पारी के बाद ही रूट उनके प्रशंसक हो गये। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि ब्रूक का बल्लेबाजी करने का स्टाइल ही उन्हें सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाता है। रूट ने कहा कि, अगर आप मुझसे पूछें तो ब्रूक इस समय दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका खेल हर तरह से जबरदस्त है। वह दबाव को अच्छी तरह से झेल सकते हैं। विपक्षी टीम पर दबाव डाल भी सकते हैं। वह गेंदबाज के सिर के ऊपर से छक्का भी जड़ सकते हैं साथ ही वह स्पिन और सीम दोनों पर जमकर प्रहार कर सकते हैं। इसलिए उन्हें गेंदबाजी करना सबसे कठिन है। ब्रूक न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मैचों में इंग्लैंड की जीत के हीरो रहे। उन्होंने दो टेस्ट मैचों में 171,123 और 55 रन की अर्धशतकीय पारी खेली है। ब्रूक ने अभी तक अपने करियर में 23 टेस्ट मैच खेले हैं और 61.62 की शानदार औसत से 2280 रन बनाए हैं।

## दबाव सिर्फ उस्मान ख्वाजा पर नहीं, बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है : डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली । पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए रन बनाने की जिम्मेदारी केवल सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पर नहीं है, बल्कि पूरे शीर्ष छह पर है जिन्हें टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण पर काम का बोझ कम करने के लिए बड़ा प्रदर्शन करने की जरूरत है। ख्वाजा ने सीरीज की शुरुआत खराब की है, पहले दो टेस्ट में सिर्फ 34 रन ही बना पाए हैं। शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उनकी असमर्थता लंबे समय से चल रही है, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपनी पिछली 16 पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। हालांकि ख्वाजा अकेले नहीं हैं जो इस परेशानी से जूझ रहे हैं। स्टीव स्मिथ ने तीन पारियों में सिर्फ 19 रन बनाए हैं जबकि मार्नस लाबुशेन ने एडिलेड में 64 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। वार्नर ने कहा, 'मुझे लगता है कि दबाव सिर्फ 'उज्जी' पर नहीं, बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है। ट्रैविस ने शानदार शतक बनाया और हम जानते हैं कि वह ऐसा करने में सक्षम है। लेकिन हर कोई इसका समर्थन कर रहा है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की बात नहीं है, बल्कि शीर्ष छह खिलाड़ियों ने बहुत ज्यादा रन बनाए और सुनिश्चित किया कि तेज गेंदबाजों को आराम दिया जाए। पहला मैच तेज गति वाला टेस्ट था, लेकिन इस आखिरी मैच में मिचेल स्टार्क हमेशा की तरह गुलाबी गेंद से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे।' वार्नर ने नाथन मैकस्वीनी का भी समर्थन किया, जिन्होंने भारत के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शुरुआत की है। एडिलेड में पहली पारी में केवल 39 रन बनाने के बावजूद वार्नर ने मैकस्वीनी के स्वभाव और तकनीक की प्रशंसा की।

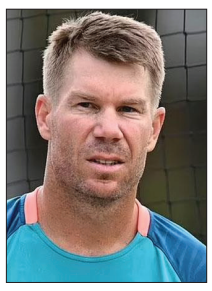

# चैंपियंस ट्रॉफी से हटने पर पाकिस्तान को होगा भारी नुकसान

**मस्कट (एजेंसी)।** कराची = पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगर चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर चल रहे गतिरोध के कारण अगले साल फरवरी मार्च में होने वाली इस 50 ओवर की प्रतियोगिता से हटने का फैसला करता है तो उसको राजस्व के भारी नुकसान के अलावा मुकदमों का भी सामना कर पड़ सकता है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अलग-थलग भी पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं के आयोजन से जुड़े एक वरिष्ठ क्रिकेट प्रशासक ने बुधवार को पीटीआई को बताया कि अगर आईसीसी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) हाइब्रिड मॉडल को पूरी तरह से स्वीकार करने से इनकार करते हैं तो पीसीबी के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला करना आसान नहीं होगा।

इस अधिकारी ने कहा, 'पाकिस्तान ने न केवल आईसीसी के साथ मेजबानी से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, बल्कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य सभी देशों की तरह उसने आईसीसी के साथ सदस्यों की अनिवार्य भागीदारी से संबंधित समझौते (एमपीए) पर भी हस्ताक्षर किए हैं। आईसीसी की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एमपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद ही कोई सदस्य देश आईसीसी प्रतियोगिताओं से होने वाली कमाई का हिस्सा पाने का हकदार होता है।'

अधिकारी में कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात किया है कि आईसीसी ने अपनी सभी प्रतियोगिताओं के लिए प्रसारक से समझौता किया है जिसमें उसने गारंटी दी है कि चैंपियंस ट्रॉफी सहित आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसके सभी सदस्य देश भाग लेंगे।' आईसीसी पिछले सप्ताह चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल से करवाने पर सहमति हासिल करने में सफल रहा था। इसके अनुसार भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा। इसके अलावा आईसीसी की 2027 तक होने वाली प्रतियोगिताओं में यह व्यवस्था बरकरार रहेगी। इसकी हालांकि अभी तक औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। अगर यह समझौता हो जाता है तो इसका मतलब होगा कि पाकिस्तान 2027 तक होने वाली आईसीसी प्रतियोगिताओं के लिए भारत का दौरा करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

प्रशासक ने कहा कि अगर पाकिस्तान

चैंपियंस ट्रॉफी से हटता है तो आईसीसी और यहां तक कि आईसीसी कार्यकारी बोर्ड में शामिल अन्य 16 सदस्य देश भी उसके खिलाफ मुकदमा कर सकते हैं। प्रसारक भी यह रास्ता अपना सकता है क्योंकि पाकिस्तान के बाहर हो जाने से सभी हितधारकों को नुकसान होगा। उन्होंने इसके साथ यह भी खुलासा किया कि पीसीबी को कार्यकारी बोर्ड के अन्य सदस्यों से ठोस समर्थन नहीं मिला।

## स्टार शटलर पीवी सिंधु ने पीएम मोदी को दिया शादी का निमंत्रण, साथ थे होने वाले पति

नई दिल्ली । भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने अपने होने वाले पति वेंकट दत्त साई के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके 卐प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन卐 के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। सिंधु 22 दिसंबर को वेंकट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात पर विचार करते हुए, सिंधु पीएम मोदी की उनके साथ बैडमिंटन और वेंकट के साथ डेटा पर चर्चा करने की क्षमता से आश्चर्यचकित रह गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- आपके साथ समय बिताना हमेशा बहुत खास होता है। सर। हम आपके प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए बहुत आभारी हैं। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि आप मेरे साथ बैडमिंटन और दत्ता के साथ डेटा पर इतनी सहजता से चर्चा कैसे कर सकते हैं। एक्स पर निर्मला सीतारमण कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक दृश्य में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने वेंकट के साथ वित्त मंत्री से भी मुलाकात की।

## क्रिकेट के साथ पढ़ाई को तवज्जो दे रहे वेंकटेश, आईपीएल में 23.75 करोड़ में बिकने के बाद कर रहे पीएचडी

**स्पोर्ट्स डेस्क।** इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में 23.75 करोड़ रुपए की भारी कीमत पर खरीदे गए वेंकटेश अय्यर हमेशा की तरह जमीन क्रिकेट के साथ-साथ पढ़ाई को भी तवज्जो दे रहे हैं। कुछ वर्षों में अपने IPL वेतन को 20 लाख रुपए से बढ़कर 20 करोड़ रुपए से अधिक होते देखने के बावजूद वेंकटेश अपनी पढ़ाई का विचार नहीं छोड़ रहे हैं। दरअसल एक इंटरव्यू में कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर ने खुलासा किया कि वह पहले से ही MBA कर चुके हैं और अब PHD कर रहे हैं। वेंकटेश इस समय भले ही 29 साल के हैं लेकिन वह पहले से ही उस समय के बारे में सोच रहे हैं जब वह 60 साल के होंगे।

एक इंटरव्यू में वेंकटेश ने खुलासा किया कि वह मध्य प्रदेश (राज्य घरेलू टीम) टीम में आने वाले खिलाड़ी से पहला सवाल यही पूछते हैं कि क्या वह अपनी शिक्षा जारी रख रहे हैं या नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं एक रूढ़िवादी परिवार से आता हूं, इसलिए मध्यवर्गीय माता-पिता को यह समझाना कठिन है कि मैं केवल क्रिकेट ही अपनाऊंगा। लेकिन यह दूसरा तरीका था। मैं पढ़ाई में अच्छा था। मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं खेल में अच्छा प्रदर्शन करूं। ठीक है, अगर कोई नया आदमी एमपी (मध्य प्रदेश) टीम में आता है, तो सबसे पहली बात मैं उससे पूछता हूं, 'पढ़ाई कर रहे हो कि नहीं?' (आप पढ़ रहे हैं या नहीं?) शिक्षा आपके मरने तक आपके साथ रहेगी, एक क्रिकेटर 60 साल तक नहीं खेल सकता। आपको समझना होगा कि एक शेल्फ लाइफ होती है।'

वेंकटेश ने कहा, 'उसके बाद, यदि आप वास्तव में जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको शिक्षित होना होगा। शिक्षा मुझे खेल से एकदम अलग कर सकती है। मैं हर समय खेल के बारे में नहीं सोचना चाहता, इससे दबाव बढ़ता है यदि मैं एक ही समय में दो काम कर सकता हूं, तो मैं करूंगा। एक शिक्षित व्यक्ति होने के नाते मुझे मैदान पर भी बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है, ऐसी स्थिति होगी जब यह सिर्फ कौशल के बारे में नहीं होगा बल्कि यह होगा कि आप इसे ले सकते हैं या नहीं, एक बेहतर निर्णय। मैं चाहता हूं कि क्रिकेटर न केवल क्रिकेट के बारे में ज्ञान ले बल्कि सामान्य ज्ञान भी लें। यदि आप अपना स्नातक या स्नातकोत्तर पूरा कर सकते हैं, तो आपको निश्चित रूप से ऐसा करना चाहिए। मैं अब अपनी PHD कर रहा हूं। अगली बार आप डॉ. वेंकटेश अय्यर के रूप में मेरा साक्षात्कार लेंगे।

## पूर्व क्रिकेट केविन कुरेन का बेटा बेन जिम्बाब्वे टीम में शामिल

हरारे। जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर केविन कुरेन के बेटे बेन कूरेन को अफगानिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज बेन कुरेन ने साल 2018 से 2022 के बीच नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेला है। उनके नाम घरेलू प्रतियोगिताओं में 50 ओवर और लाल गेंद वाली घरेलू प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक रन हैं। केविन कुरेन ने साल 2005 से 2007 तक जिम्बाब्वे के मुख्य कोच रहने से पहले 1983 और 1987 के बीच जिम्बाब्वे के लिए 11 एकदिवसीय मैच खेले थे। उनके भाई टॉम और सैम ने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में खेला है। टॉम 2019 एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम के सदस्य थे। आखिरी बार वह 2021 में इंग्लैंड के लिए खेले थे। वहीं, सैम ऑस्ट्रेलिया की 2022 टी20 विश्व कप विजेता टीम के लिए फाइनल में मैन ऑफ द मैच रहे थे। दूसरी ओर बेन कुरेन ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में हुए आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे की ओर से तब 8 विकेट लिए थे। इसके अलावा जिम्बाब्वे की टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

# क्या घोड़े को भी एथलीट होने पर मिलने चाहिए मैडल? इटली लागू कर चुका है कानून

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** उन्हें एथलीट कहा जाए या उपकरण, या फिर उन्हें वही कहा जाए जो वे हैं, घोड़े। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) उन्हें एथलीटों के साथ जोड़ना चाहता है लेकिन लेकिन घुड़सवारों ने ऐसी किसी चीज के लिए जोर देने के खिलाफ सावधानी बरतने का आग्रह किया है जो आगे चलकर चीजों को 'जटिल% कर सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय असल में ईएफआई के प्रशासन पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उस पर निजी क्लबों और संस्थानों को मतदान का अधिकार देकर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला ईएफआई से मान्यता प्राप्त राजस्थान की इकाई ने दायर किया गया है जो चाहता है कि यह अधिकार केवल राज्य संघों के पास हो। एक सुनवाई के दौरान ईएफआई ने यह असंबंधित दलील दी जिसने खेल का अनुसरण करने वालों के साथ-साथ इसमें शामिल लोगों की भी रुचि जगाई।

एशियाई खेल 1998, 2002 और 2006 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे राजेश पट्टू ने ईएफआई की पूरी दलील को खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घोड़ा एथलीट है या उपकरण क्योंकि वह भारतीय घुड़सवारी महासंघ के चुनावों में मतदान नहीं करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईएफआई इस तरह की अप्रासंगिक दलील देकर अदालत का समय बर्बाद कर रहा है। इसका निर्वाचन मंडल से कोई लेना-देना नहीं है जो कि मुख्य मामला है। ओर्लपिक (टोक्यो ओर्लपिक 2021) के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने के पक्ष में हैं लेकिन उन्होंने इस तरह के कदम से आने वाली जटिलताओं के बारे में चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मैं अपने घोड़े को एक एथलीट मानता हूं। मैं अपने घोड़े को एक पेशेवर और उच्च श्रेणी के एथलीट के रूप में देखता हूं। दूसरी ओर यदि आप उन्हें कानूनी चीजों के संबंध में, कानूनी व्यक्ति के रूप में, कानून के माध्यम से, या उन्हें पुरस्कृत करके मानवीय बनाने की कोशिश करते हैं तो यह काफी कठिन और जटिल हो जाता है। मिर्जा ने कहा कि वे आखिरकार जानवर हैं और अगर आप मानवीय चीजों और विचारों तथा कानून को जोड़ने की कोशिश करते हैं तो मुझे लगता है कि यह स्थिति को जटिल बनाता है। मिर्जा और पट्टू दोनों फिलहाल जर्मनी के सारब्रुकेन में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

घुड़सवारी खेल की अंतरराष्ट्रीय संचालन संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) का संविधान एथलीट को 'एफईआई प्रतियोगिता में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। ऐसा व्यक्ति राइडर, ड्राइवर, लंगर या वॉल्टर तक सीमित नहीं हो सकता है। एफईआई के 2023 के कानून में घोड़े की नहीं बल्कि एथलीट की परिभाषा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एफईआई एथलीट और घोड़ों को अलग-अलग सूचीबद्ध करता है। ईएफआई भी एफईआई का एक सदस्य महासंघ है लेकिन ऐसा लगता है कि इसने इटली से सीख ली

है जो कानून के माध्यम से घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने वाला पहला देश है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

**देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-**

## रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

## बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

## उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

# जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

## खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

**लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-**

## लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

## नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

## नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

## नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

# टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

**भारत** के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

## समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

## संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

## स्वर्णिम पृष्टभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

## पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

# पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

**महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-**

## शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

## आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

## दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

## पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सुनील पाल के बाद अभिनेता मुश्ताक खान ने किया किडनैपिंग का दावा

मुंबई। पहले हास्य अभिनेता सुनील पाल के किडनैप की खबरें आई। उनका मामला सुलझता इससे पहले वेलकम फिल्म के अभिनेता मुश्ताक खान ने भी अपनी किडनैपिंग का दावा किया है। अभिनेता ने बताया कि उनका अपहरण दिल्ली-मेरठ हाईवे से किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 20 नवंबर को हुई, जब मुश्ताक खान को मेरठ में एक पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता को फंसाने के लिए एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया और उनकी फ्लाइट टिकट की व्यवस्था करने के साथ-साथ उनके खाते में अग्रिम भुगतान भी ट्रांसफर कर दिया। अभिनेता के मुताबिक, जब वह दिल्ली-मेरठ हाईवे पर पहुंचे, तो अपहरणकर्ताओं ने उन्हें अगवा कर लिया और बिजनौर के पास एक सुनसान इलाके में ले गए। वहां उन्हें करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता और उनके बेटे के बैंक खाते से 2 लाख रुपये निकालने के बाद 1 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की। मुश्ताक खान ने बताया कि उनका बच निकलने का तरीका बिल्कुल फिल्मी था। पास में एक मस्जिद होने के कारण, उन्होंने सुबह की अजान सुनी और उसी मौके का फायदा उठाते हुए वहां से भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों से मदद लेकर वह घर पहुंचने में कामयाब हुए। इसके बाद, वह पुलिस के पास गए और सारा मामला समझाकर उनसे मदद मांगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मुश्ताक खान की हालत अब ठीक है, और वह जल्द ही मीडिया से बात कर इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

## राजस्थान के दौसा में बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे को बचाने का अभियान बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा बोरवेल में सोमवार करीब तीन बजे से 150 फुट की गहराई पर फंसा हुआ है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के तहत बोरवेल के समानांतर जमीन खोदी है। एनडीआरएफ के कमांडेंट योगेश कुमार ने बताया कि 'ड्रिलिंग' मशीनों से 110 फुट तक खुदाई की जा चुकी है और काम जारी है। उन्होंने कहा, फिर हम क्षैतिज रूप से बोरवेल में बच्चे के पास पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, चुनौती यह है कि हम 150 फुट तक जा सकते हैं, उससे आगे नहीं। एनडीआरएफ बचावकर्मी बच्चे को बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ नीचे जाएंगे। कमांडेंट ने बताया कि इलाके में 160 फुट पर पानी हो सकता है इसलिए इलाके में सबमर्सिबल पंप शुरू कर दिए गए हैं, ताकि बचाव अभियान में भूमिगत जल से कोई बाधा न हो। उन्होंने बताया कि जमीन के अंदर भाप होने के कारण टीम को बोरवेल में उतारे गए कैमरे से बच्चे की गतिविधियां पता लगाने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि ड्रिलिंग मशीनों ने 110 फीट तक खुदाई की है और योजना 150 फुट की गहराई तक जाने की है जहां बच्चा फंसा हुआ है। दौसा जिले के पापडदा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर पांच वर्षीय आर्यन कालीखाड़ गांव में एक कृषि क्षेत्र में खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गया था।

## पति का कर्ज चुकाने पत्नी ने कलेजे के टुकड़े को बेच दिया

### -डेढ़ लाख में एक माह के नवजात को बेचा

नई दिल्ली। कर्नाटक के रामनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने अपने 30 दिन के नवजात बेटे को डेढ़ लाख रुपये में महज इसलिए बेच दिया, ताकि पति का कर्ज चुका सके। घटना के संबंध में बतलाया गया है कि महिला के पति ने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा घर से लापता है और उन्हें उसके गायब होने में अपनी पत्नी पर ही शक है। पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और पता चला कि महिला ने अपने नवजात बेटे को बेंगलुरु की एक महिला को बेचा था। महिला और उसके पति दोनों दिहाड़ी मजदूर थे और पांच बच्चों के साथ बेहद कठिन आर्थिक स्थिति का सामना कर रहे थे, जिस कारण उन पर तीन लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज था। महिला के पति ने पहले ही अपने नवजात को बेचने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था, लेकिन महिला ने अपने दो सहयोगियों की मदद से बच्चे को बेंगलुरु में एक महिला को बेच दिया। 5 दिसंबर को जब महिला का पति घर लौटा, तो उसने देखा कि बच्चा गायब था। पत्नी ने बताया कि बच्चे को स्वास्थ्य समस्याएं थीं और उसे डॉक्टर के पास भेजा गया था। हालांकि, जब उसने और अधिक जानकारी मांगी तो पत्नी का जवाब संदेहास्पद था, जिससे पति को शक हुआ। इस पर 7 दिसंबर को पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जब पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो उसने पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने अपने बेटे को डेढ़ लाख रुपये में बेचा था। पुलिस ने तुरंत बेंगलुरु जाकर बच्चे को बरामद किया। पुलिस ने महिला, उसके दो सहयोगियों और बच्चे की खरीदी करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे को बचाकर मंड्या के बाल कल्याण केंद्र भेज दिया गया है।

## जब जज ने ही जमानत के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत ली !

मुंबई। न्यायपालिका से न्याय मिलने की एक बड़ी उम्मीद आम लोगों को रहती है और कई ऐसे मामले सामने आए हैं जब लोगों को न्यायपालिका से ही न्याय मिला है। लेकिन इन दिनों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जड़े जमने की खबर भी गाहे बगाहे सामने आती रहती है। शायद यही वजह है कि जनता का विश्वास न्यायपालिका को लेकर डगमगाने लगा है। जी हाँ, जब न्याय करने वाले जज ही पैसे लेकर न्याय देंगे तो सोचिये स्थिति कैसी आ जाएगी। दरअसल रिश्वत लेने की घटना महाराष्ट्र के सतारा में घटी है। खबर है कि जज ने जमानत देने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत ली। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एंटी करप्शन) ने सतारा जिला न्यायलय के जज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जज को गिरफ्तार करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया है और हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही जज को गिरफ्तार किया जाएगा। खबर है कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक जज ने शिकायतकर्ता के पिता को जमानत देने के लिए सीधे रिश्वत मांगी।

# डांटने और धमकाने का काम कर रहे धनखड़

### -खड़गे ने प्रेस वार्ता में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रेस वार्ता में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को हानि पहुंचाई है।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सदन में विपक्ष की आवाज को दबाया जाता है। सभापति तो राजनीति से परे होते हैं, लेकिन यहां वो आरएसएस की तारीफ करते हैं। सभापति को पूरी तरह से निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का मकसद व्यक्तिगत शिकायतें या राजनीतिक लड़ाई से जुड़ा नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह डांटते हुए काम करते हैं, वरिष्ठ अनुभवी विपक्षी नेताओं को वे उपदेश देते हैं, उन्हें बोलने से रोक देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण तो स्वंय अध्यक्ष हैं। वे सभापति कम और सरकार के प्रवक्ता के रूप में ज्यादा काम कर रहे हैं।

इसी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सदन में राज्यसभा अध्यक्ष के आचरण ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। हम व्यक्तिगत तौर पर राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद ही हमें उन्हें हटाने के लिए नोटिस देने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। हम सभापति के व्यवहार और पक्षपात पूर्ण रवैये से तंग आ चुके हैं, इसीलिए उन्हें हटाने के लिए हमने नोटिस दिया हुआ है। कुल मिलाकर उन्होंने कहा कि धनखड़ का आचरण उनके संवैधानिक दायित्वों और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने अपने पद का उपयोग सत्तारूढ़ दल की नीतियों की प्रशंसा करने और विपक्ष को दबाने के लिए किया है। खड़गे ने कहा, एक संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ ने तटस्थता को दरकिनार कर, सरकार के प्रवक्ता जैसा व्यवहार किया है। विपक्ष के नेताओं को अपमानित करना और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

## दुखी मन से लाए अविश्वास प्रस्ताव.....

### -प्रमोद तिवारी ने कहा विपक्ष को चुप कराया जा रहा

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कि भारी मन और बड़े दुख के साथ हम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 बी के तहत यह अविश्वास प्रस्ताव को पेश करने के लिए बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज मौजूदा एक सत्र की बात नहीं, बल्कि कई सत्रों से ऐसा चल रहा है। हमने देखा है कि विपक्ष के नेताओं को बोलने ही नहीं दिया जाता, पूरे विपक्ष को चुप करा दिया जाता है। सत्ता पक्ष के नेता किरेन रिजिजू तो बोल सकते हैं लेकिन दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। यह सरकार लोकतंत्र में विश्वास ही नहीं रखती। उन्होंने कहा कि जब सदन में हम नियमों के तहत अपनी बात ही नहीं रख सकते तो अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। गौरतलब है कि 10 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला लिया था। इसके बाद ही इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को प्रस्ताव सौंपा है।

## पीएम नरेंद्र मोदी जल्द जा सकते हैं कुवैत, अल-याह्या ने पिछले हफ्ते की थी मुलाकात

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पश्चिम एशियाई देश की पहली यात्रा होगी। इस समय खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता भी कुवैत कर रहा है। पिछले हफ्ते कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने अपनी भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने कुवैत नेतृत्व की ओर से पीएम मोदी को निमंत्रण दिया था। पीएम मोदी ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

कुवैत एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है जहां पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है। कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा पर नहीं जा सके थे। जीसीसी में कुवैत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर देश शामिल हैं। पीएम मोदी ने सितंबर में, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात की थी। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी।

पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर आए कुवैत के विदेश मंत्री के साथ चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया था कि कुवैत की जीसीसी की वर्तमान अध्यक्षता के अंतर्गत भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच घनिष्ठ सहयोग और मजबूत होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द वापसी के लिए समर्थन जताया था। उन्होंने कुवैत में रहने वाले दस लाख भारतीयों की देखभाल के लिए कुवैत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

## ममता बनर्जी का केंद्र में पद पाना नहीं, बल्कि बीजेपी को हराना है लक्ष्य

### इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व को लेकर कुणाल घोष ने दी प्रतिक्रिया

**कोलकाता (एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में रुचि दिखाई है। इस पर जारी बयानबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा है कि केंद्र में कोई पद पाने में ममता बनर्जी की कोई रुचि नहीं है, वह बस बीजेपी को हराने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल में टीएमसी ने बीजेपी को रोक दिया, झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी को रोक दिया, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी ऐसा करने में सफल नहीं हो सकी है। वहां पर मुख्य रूप से बीजेपी को रोकने की जिम्मेदारी कांग्रेस पर थी लेकिन वह असफल रही। इसलिए वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि बीजेपी को रोकने के लिए ममता बनर्जी जैसे अनुभवी और प्रभावी नेतृत्व को आगे आना चाहिए।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि बंगाल के मुर्शिदाबाद में हम बाबरी मस्जिद बनाएंगे। इस पर घोष ने कहा कि यह उसका निजी विषय है। अगर कोई चाहता है तो वह अपनी जमीन पर मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कुछ भी बनवा सकता है। इस पर वह कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। कोई व्यक्ति घर के अंदर पूजा करता है या नमाज पढ़ता है यह उसके धर्म की बात है।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कुणाल घोष ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी साफ-साफ कह चुकी हैं कि हमारा देश विविधता में एकता पर यकीन करता है। हर राज्य का अपना इतिहास है, एक राजनीतिक छाप है। सारा चुनाव एक साथ कैसे होगा। सब चीज गलत हो जाएगी। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई मार्च में है। इस मुद्दे पर घोष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नजर में सब ठीक है। जांच सही से हुई, सही से आरोपपत्र दाखिल किया गया, ट्रायल भी सही चल रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई नजदीक की तारीख देनी जरूरी नहीं समझी।

## ईएमआई से ज्यादा पत्नी के गुजारा भत्ते को दें प्राथमिकता: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। पत्नी को दिए जाने वाले गुजारा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि लोन की ईएमआई कितनी है, कब देनी है इन सबसे ज्यादा प्राथमिकता पत्नी को गुजारा भत्ता देने की होना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भूयान की बेंच ने यह फैसला एक पति की याचिका को खारिज करते हुए दिया। पति, जो एक डायमंड फैक्ट्री का मालिक है, ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अपनी अलग हो चुकी पत्नी को बकाया गुजारा भत्ता देने में असमर्थ है, क्योंकि उसकी फैक्ट्री घाटे में चल रही है और उस पर भारी कर्ज है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाकशुदा पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पति की संपत्ति पर प्राथमिक अधिकार रखती है। अदालत ने कहा, जीने का अधिकार, सम्मान के साथ जीने का अधिकार, और एक बेहतर जीवन का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। इन अधिकारों के तहत गुजारा भत्ता मौलिक अधिकार के समान है और किसी भी देनदार के कर्ज की वसूली के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। फैसले में कहा गया कि महिला के पूर्व पति को जल्द से जल्द बकाया गुजारा भत्ता चुकाना होगा। यदि पति इसमें विफल रहता है, तो परिवार अदालत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है, जिसमें पति की अचल संपत्ति की नीलामी करके पत्नी को भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है।

# कांग्रेस अराजकता फैलाने वालों के साथ पसंद करती है बैठना

### संभल हिंसा पीड़ितों से मिलने पर बीजेपी सांसद ने राहुल-प्रियंका को घेरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। यूपी के संभल हिंसा पीड़ितों ने दिल्ली में राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजेपी को पंसद नहीं आई और सासंद अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति और कांग्रेस का यह चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। उन्हें हमास और फिलिस्तीन तो दिखता है, लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नहीं दिखते। वे अराजकता फैलाने वालों के साथ बैठना पसंद करते हैं, लेकिन शांति को बढ़ावा देने के लिए कभी आगे नहीं आते। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कहूंगा कि कुछ लोगों के संसद में चरण पड़ने से संसद की कार्यवाही बाधित हो गई है।

अनुराग ने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि हर बूथ को मजबूत करें, ताकि दिल्ली की जनता की मांग को पूरा किया जा सके, जिससे भ्रष्ट और निकम्मी आम आदमी पार्टी सरकार से मुक्ति दिल्ली की जनता को मिल सके। जब बूथ जीतेंगे तो हम चुनाव जीतेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अगला चुनाव हारेंगे तो वे एक बार फिर ईवीएम को दोष देने का बहाना ढूंढ लेंगे। वे हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव हार गए और जहां भी हारे, उन्होंने ईवीएम को दोषी माना। सच्चाई यह है कि जनता उनकी नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है।

अनुराग ठाकुर ने दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता अनिल गुप्ता के न्यू शाहदरा स्थित आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए स्टीकर और झंडा लगाया। उन्होंने मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा बुलंद किया और आगामी चुनावों में बीजेपी की जीत का संकल्प लिया।

## बांग्लादेश जेल से भागे अपराधियों ने बनाया नया आतंकी संगठन

### -भारत-बांग्लादेश सीमा पर दे सकते हैं बड़ी वारदात को अंजाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। भारत-बांग्लादेश बार्डर पर आतंक की साजिश का खुलासा हुआ है जिसमें कुख्यात आतंकी संगठन हरकत उल जेहाद भी शामिल है। बांग्लादेश की जेल से भागे अपराधियों और आतंकवादियों ने एक गिरोह बना लिया हैं और ये भारत-बांग्लादेश सीमा पर आतंकी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। खुलासे से पता चला है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन के समर्थक हैं।

सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बड़ा आतंकवादी हमला हो सकता है और भारतीय सुरक्षा बलों पर घात लगाकर गोलीबारी की जा सकती है। इसके लिए बांग्लादेश में जेल से भागे हुए अपराधियों और आतंकवादियों का एक 50 सदस्यीय संगठन तैयार कर लिया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बेहद प्रभावशाली लोगों का समर्थन भी मिला है।

आईएसआई नहीं चाहती कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव कम हो। यही कारण है कि इस नए आतंकवादी संगठन को हथियारों के साथ-साथ पैसा भी दिया जा रहा है। पैसे के लालच में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन से जुड़ गए हैं यानी आने वाले दिनों में यह संगठन भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है जिससे तनाव और बढ़ सकता है।

एक रिपोर्ट में साफ तौर पर लिखा है कि इस ग्रुप में पाकिस्तान में आतंक देने वाली ट्रेनर भी शामिल है। सीमा पर या भारत के अंदर कोई भी बड़ी आतंकी वारदात कर भारत-बांग्लादेश के सबंधों को खराब करने की कोशिश है कि माहौल सुधर ही न सके। इस पूरी रणनीति के पीछे पाकिस्तान की एक तीर से दो निशाने करने की रणनीति भी शामिल है।

## मुंबई की शान कही जाने वाली काली-पीली टैक्सियों घटी, अब केवल बची हैं 13,000 टैक्सियां

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। मुंबई, (ईएमएस)। एक जमाने में मुंबई की शान कही जाने वाली और प्रायः हर फिल्मों में नजर आने वाली काली-पीली टैक्सियां अब लुप्त होती जा रही है. आलम यह है कि फिलहाल मुंबई शहर में महज 13,000 टैक्सियां बची हैं और संभावना जताई जा रही है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में मुंबई की सड़कों पर आपको काली-पीली टैक्सियां नजर नहीं आएगी. दरअसल मुंबई की सबसे बड़ी एसोसिएशन, मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, मुंबई में चलने वाली काली-पीली टैक्सियों की संख्या पिछले साल 20,000 से घटकर अब 13,000 हो गई है। इसका मुख्य कारण चालकों द्वारा लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया जाना है।

एसोसिएशन के अनुसार, कुछ ड्राइवर पर्यटक लाइसेंस लेने और ओला/उबर जैसी ऐप-आधारित सेवाओं से जुड़ने या निजी यात्री परिवहन व्यवसाय की ओर रुख करने का विकल्प चुन रहे हैं। साथ ही टैक्सी ड्राइवरों की कमी बढ़ती जा रही है क्योंकि कई ड्राइवर परिवारों की युवा पीढ़ी इस पेशे में आने के लिए तैयार नहीं है। मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, अपने पुराने और जर्जर वाहनों को बेचने के लिए संघर्ष कर रहे ड्राइवरों को नई और महंगी टैक्सियों के लिए ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, ओमनी टैक्सियाँ जो बड़ी संख्या में चलती थीं अब लगभग विलुप्त हो चुकी हैं। कुछ ड्राइवरों ने इको-टैक्सी अपना ली है, जबकि अन्य ने यह व्यवसाय छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह व्यवसाय लाभदायक नहीं है। वहीं स्वाभिमान ऑटो टैक्सी यूनियन के मुताबिक, अगले साल के अंत तक काली-पीली टैक्सियों की संख्या और कम होने की संभावना है, क्योंकि इन्हें सड़कों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। पहले व्यावसायिक क्षेत्रों के स्टैंडों पर 20-30 टैक्सियाँ खड़ी होती थीं, अब वहाँ केवल 5-10 टैक्सियाँ खड़ी होती हैं। मालूम हो कि मुंबईकरों का आज भी काली-पीली टैक्सियों से भावनात्मक जुड़ाव है। क्योंकि काली-पीली टैक्सी के ड्राइवर को शहर की सड़कें और शॉर्टकट अच्छे से पता हैं। लेकिन सड़क चौड़ीकरण और बुनियादी ढांचे के काम के कारण, टैक्सियों के लिए स्टैंड की संख्या कम हो गई है और लगभग 5 से 10 हजार स्टैंड की आवश्यकता है। इसके अलावा, दैनिक आधार पर लगने वाले जुर्माने से ड्राइवरों को परेशानी होती है। एक बार 500 रुपये और दूसरी बार 1,500 रुपये का जुर्माना, जो उनकी दैनिक आय से अधिक है। मालूम हो कि दो दशक पहले काली-पीली प्रीमियर पद्मिनी टैक्सियों की संख्या 63,000 थी। अब ये सभी टैक्सियां ??हटा दी गई हैं। इसी तरह, ओमनी टैक्सियों की संख्या में भी कमी आई है और मुंबई की सड़कों पर टैक्सियों की कुल संख्या में बड़ी कमी आई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### विरोध के बाद पीओजेके सरकार ने वापस लिया विवादास्पद अध्यादेश

**मुजफ्फराबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में जनता के भारी विरोध और बंद के बाद सरकार ने विवादास्पद अध्यादेश वापस ले लिया। अध्यादेश के जरिये सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों से पहले सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था। प्रेसिडेंट बैरिस्टर सुल्तान महमूद ने अध्यादेश वापस लेने की घोषणा की। इसे लेकर एक लिखित समझौता भी हुआ है। इसके तहत प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सभी मामले वापस लिए जाएंगे और 13 मई की गोलीबारी की घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा। सरकार के फैसले के बाद एक प्रदर्शनकारी ने कहा, जनता के विरोध ने सरकार व नौकरशाहों को करारा जवाब दिया है। उसने साबित किया है कि पीओजेके का अपना कानून और प्रणाली है। पीओजेके के प्रधानमंत्री अनवर उल हक ने कहा कि अध्यादेश में प्रदर्शनों से पहले सरकार की अनुमति लेने का प्रावधान सुरक्षा चिंताओं को लेकर किया गया था। मालूम हो कि पाकिस्तान सरकार लंबे समय से पीओजेके के लोगों का दमन कर रही है। यहां उनके अधिकारों, बुनियादी जरूरतों और आकांक्षाओं को लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। इस क्षेत्र के लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों, सामाजिक असहमति को लेकर चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में सरकार या सत्तारूढ़ अधिकारियों की आलोचना करने वाले व्यक्तियों, मीडिया प्रतिष्ठानों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को उत्पीड़न, धमकी और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

### जॉर्जिया में अभय कुमार अगले भारतीय राजदूत नियुक्त

**त्बिलिसी, एजेंसी।** भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के उप महानिदेशक पद पर कार्यरत अभय कुमार को जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुमार 2003 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह जल्द ही अपना पदभार संभालेंगे।

### काश पटेल ने सीनेटरों से मुलाकात की

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की संघीय जांच एजेंसी- एफबीआई के निदेशक के रूप में भारतीय-अमेरिकी काश पटेल को नामित किया है। ताजा घटनाक्रम में पटेल ने उन्होंने कैपिटल हिल में कई प्रभावशाली सीनेटरों से मुलाकात की। कई सीनेटरों ने खुले तौर पर उनका समर्थन किया। बता दें कि अगर अमेरिकी सीनेट काश पटेल की नियुक्ति की पुष्टि करता है, तो पटेल अमेरिका की शक्तिशाली जांच एजेंसी, संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी होंगे। पटेल से मुलाक़ात के बाद सीनेट न्यायपालिका समिति के नए अध्यक्ष सीनेटर चक ग्रासली ने कहा, मैंने काश को याद दिलाया कि पारदर्शिता जवाबदेही लाती है, और एफबीआई में यह बेहद जरूरी है। ग्रासली ने कहा कि पूर्व कांग्रेसी जांचकर्ता के रूप में, काश पटेल ये अच्छी तरह समझते हैं कि कांग्रेस के साथ सहयोग वैकल्पिक नहीं है, मुखबिरों की सुरक्षा अहम है।

### ग्वाटेमाला : 50 से अधिक प्रवासियों की मौत के आरोपी छह गिरफ्तार

**ग्वाटेमाला, एजेंसी।** मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में मैक्सिको ट्रक दुर्घटना के दोषियों को गिरफ्तार किया गया है। साल 2021 के इस हादसे में 50 से अधिक प्रवासियों की मौत हो गई थी। ग्वाटेमाला और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी ग्वाटेमाला और टेक्सास दोनों जगहों पर हुई है। गौरतलब है कि कम से कम 160 प्रवासियों को ले जा रहा एक ट्रक चियापास के टक्सटला गुटिरेज़ में दुर्घटना का शिकार हुआ था। ग्वाटेमाला के अधिकारियों ने 36 वर्षीय टॉमस क्विनो कैनिल; 31 वर्षीय अल्बर्टो मार्कारियो चिटिक; 24 वर्षीय ओस्वाल्डो मैनुअल जवाला क्विनो; और 42 वर्षीय जोसेफ़ा क्विनो कैनिल डे जवाला को हिरासत में लिया। टेक्सास के क्लीवलैंड में जॉर्ज अगापीटो वेंतुरा को उसके घर से पकड़ा गया। छठे अभियुक्त का नाम सामने नहीं आया है।

### श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किए गए 21 भारतीय मछुआरों को वापस लौटा दिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक्स हैंडल पर वापस भेजे गए मछुआरों की तस्वीर भी साझा की। उच्चायोग ने कहा कि रिहाई के बाद सभी मछुआरे अपने घर वापस आ रहे हैं। बता दें कि इससे पहले बीते 8 दिसंबर को, श्रीलंकाई नौसेना ने रामनाथपुरम के तट से आठ भारतीय मछुआरों को पकड़ा था और दो नावों पर कब्जा कर लिया था। मछुआरों के पकड़े जाने पर सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप और उनकी रिहाई की मांग की थी।

### रूस की एफएसबी ने कॉल सेंटरों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को किया ध्वस्त

**मास्को, एजेंसी।** रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने 50 से अधिक देशों में एक लाख से अधिक लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाले कॉल सेंटरों के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। भारत समेत तमाम देश इन कॉल सेंटरों की ओर से की गई धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। एजेंसी के अनुसार, इन कॉल सेंटरों के जरिये निवेश लेनदेन की आड़ में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, ब्राजील, भारत, जापान और अन्य देशों के नागरिकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की जा रही थी।

# बशर की कालकोठरियों से विद्रोहियों ने मुक्त कराए कैदी, फांसी की सजा पाए कैदियों ने कई साल बाद देखा सूरज

**दश्मिक, एजेंसी।** सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने और देश पर विद्रोहियों का कब्जा होने के बाद राजधानी दमिश्क की सड़कों पर जबरदस्त जश्न मनाया गया। विद्रोहियों ने असद के शासन में कैद किए गए कई कैदियों को भी सोमवार तड़के कालकोठरियों से मुक्त कराया। असद परिवार के करीब 50 वर्षीय शासन को सिर्फ 10 दिनों में विद्रोहियों ने हमला बोलकर खत्म कर दिया और अब राजनीतिक कैदियों को आजाद कराने के लिए जेलों व सुरक्षा सुविधाओं में तोड़फोड़ की। एक ऐसे ही कैदी हैं 63 वर्षीय बशर बरहौम। उन्हें फांसी की सजा दी गई थी और सोमवार को इस पर तामीली होना थी। जब उन्होंने देखा कि दरवाजे पर कुछ लोगों की चहलकदमी हो रही है तो वे समझे कि यह फांसी चढ़ाने के लिए आए हैं। लेकिन सामने देख तो ये लोग असद के कुख्यात सुरक्षा बलों से नहीं थे बल्कि उन्हें मुक्त करा रहे थे। बरहौम ने भी कैद से रिहा होकर जश्न मनाया और कहा, मैंने आज तक सूरज नहीं देखा है, सोमवार को सजा-ए-मौत के बजाय मुझे नया जीवन मिला है। जेल से रिहा हुए कई लोग नंगे पैर या बमुश्किल कपड़े पहने दमिश्क की सड़कों पर अपनी आजादी का जश्न मनाते देखे गए। विद्रोहियों ने जेलों में जाकर बंदियों से कहा, डरो मत...असद का राज खत्म हो चुका है। सड़कों पर आकर कैदी खुशी से चीख रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कि अब जल्द ही वे अपने परिवार से मिल सकेंगे। दमिश्क, अलेप्पो, होम्स, हामा समेत कई शहरों में हजारों बंदी

आजाद हुए सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि दमिश्क, अलेप्पो, होम्स और हामा सहित शहरों में हजारों बंदियों को रिहा कर दिया गया है। असद की इन जेलों में सबसे कुख्यात जेलों में से एक दमिश्क के पास 'सैयदनाया जेल' है जिसे एमनेस्टी इंटरनेशनल ने 'मानव वधशाला' तक कहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि 2011 और 2016 के बीच 13,000 लोगों को यहां गुप्त रूप से मार डाला गया। सैयदनाया में रखी गई महिलाएं, जिनमें से कुछ बच्चों के साथ थीं, असद का तख्तापलट होने की सूचना मिलते ही चिल्लाने लगीं। विद्रोहियों ने उनके सेल के ताले तोड़ दिए।

**सीरिया में नया युग शुरू :** विद्रोहियों द्वारा राजधानी दमिश्क पर कब्जा करने और राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने के बाद सोमवार को सीरियाई लोगों में आशा की किरण जगी दिखाई दी। हालांकि उनमें अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंता भी दिखाई दी। विद्रोहियों द्वारा घोषित कर्फ्यू के कारण दमिश्क में सुबह के बाद शांति रही, दुकानें बंद रहीं और सड़कें काफी हद तक खाली दिखीं। बाहर निकलने वालों में से अधिकांश विद्रोही थे, और कई कारों पर उत्तर-पश्चिमी प्रांत इदलिब की लाइसेंस प्लेटें थीं। इदलिब से ही विद्रोही लड़ाकों ने 12 दिन पहले अपनी बढ़त शुरू की थी। मध्य उमय्यद स्क्वायर में लड़ाकों के एक समूह के बीच, इदलिब के फिरदौस उमर ने कहा कि वह 2011 से असद शासन से लड़ रहे हैं और अब अपने हथियार डालकर किसानी करेंगे। क्रूरता के लिए दुनिया में बदनाम हैं सीरियाई जेलें सीरिया की जेलें लंबे समय से क्रूर हालात के लिए बदनाम हैं। मानवाधिकार संगठनों और दलबदलुओं द्वारा यातना, भुखमरी और गुप्त फांसी को बड़े पैमाने पर प्रलेखित किया गया है। 2013 में, 'सीजर' नामक व्हिसलब्लोअर ने सीरिया से 53,000 तस्वीरों की तस्करी की, जिससे असद की जेलों में बड़े पैमाने पर अत्याचार और अमानवीय स्थिति का खुलासा हुआ। चैथम हाउस में मध्य पूर्व विशेषज्ञ लीना खतीब ने कहा, असद की कुख्यात जेलों में डाले जाने की चिंता ने सीरियाई लोगों में अविश्वास पैदा कर दिया। असद ने सत्ता पर नियंत्रण बनाने और विरोध को कुचलने के लिए डर की इस संस्कृति को बढ़ावा दिया।

रूस ने कहा-असद को राजनीतिक शरण दी रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि रूस ने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद को राजनीतिक शरण दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने संवाददाताओं को बताया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असद को शरण देने का निर्णय व्यक्तिगत रूप से लिया। हालांकि, पेस्कोव ने इस बारे में नहीं बताया कि असद कहां ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन की असद से मिलने की योजना नहीं है। मॉस्को दूतावास पर सीरियाई विद्रोहियों का ध्वज सोमवार को मॉस्को में सीरियाई दूतावास की इमारत पर सीरियाई विद्रोही समूहों का तीन सितारा झंडा लगाया गया है। रूसी समाचार एजेंसियों ने कहा है कि विद्रोही लड़ाकों के दमिश्क में निर्विरोध प्रवेश के बाद बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को में आ गए हैं।

## अंतरराष्ट्रीय-घरेलू स्तर पर बुरे फंसे नेतन्याहू, जंग के बीच पहली बार भ्रष्टाचार मामले में देंगे गवाही

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन पर घरेलू और

अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर कानूनी मामले चल रहे हैं। एक तरफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, नेतन्याहू को इस्राइल में भी भ्रष्टाचार के एक मुकदमे में गवाही देनी है। अगर वह इस मामले में दोषी पाए गए तो उनका सियासी सफर खत्म हो सकता है। आईसीसी के मुकदमे पर नेतन्याहू को देश में समर्थन मिलता दिख रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में जनता की राय उन पर बंटी हुई है।

**अदालतों के लगाने पड़ सकते हैं कई चक्कर :** एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के खिलाफ इस्राइल में लंबे समय से भ्रष्टाचार का मामला चल रहा है। इसी मामले में आज वह अदालत के सामने अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। अंदाजा लगाया जा रहा कि उन्हें कई सप्ताह तक अदालत और युद्ध कक्ष के बीच चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। एक साल से हमास के साथ जंग जारी इस्राइल पिछले एक साल से भी अधिक समय से गाजा में फलस्तीनी समूह हमास के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है, जिसके दौरान नेतन्याहू को अदालत में पेश होने के लिए मोहलत दी गई थी। लेकिन गुरुवार को जजों ने फैसला सुनाया कि उन्हें गवाही देनी होगी।अदालत ने कहा कि रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप में नेतन्याहू सप्ताह में तीन बार गवाही देंगे। नेतन्याहू को 2019 में करोड़पति दोस्तों से उपहार से जुड़े तीन मामलों में और अनुकूल कवरेज के बदले मीडिया टाइकून के लिए कथित तौर पर नियामक पक्ष लेने के लिए दोषी ठहराया गया था। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी गलत काम नहीं किया है। सोमवार रात को प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी कहानी बताने के लिए आठ साल इंतजार किया।

## सीरिया में झटके के बाद अब यूक्रेन पर समझौते के लिए तैयार रूस, शांति की पहल का करेगा स्वागत

**मॉस्को, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से यूक्रेन में युद्ध को तुरंत रोकने की मांग को रूस ने गंभीरता से लिया है। क्रेमलिन ने कहा है कि रूस इस पर बातचीत के लिए तैयार है। रूस ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) और ब्रिक्स देशों की तरफ से शांति पहलों का भी स्वागत किया है। गौरतलब है कि रूस को हाल ही में सीरिया में बड़ा झटका लगा है। यहां विद्रोही संगठनों ने रूस के समर्थन वाली बशर अल-असद सरकार को हटा दिया। खुद राष्ट्रपति असद को आनन-फानन में सीरिया छोड़कर भागना पड़ा। सीरिया में इन हालात के बाद माना जा रहा है कि यूक्रेन युद्ध में पूरी तरह केंद्रित होने की वजह से रूस अपनी ताकत सीरिया में नहीं दिखा पाया और उसे पश्चिम एशिया में कूटनीतिक तौर पर एक अहम देश गंवाना पड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को एक पोस्ट में रूस के विदेश मंत्रालय ने क्रेमलिन (रूस का आधिकारिक कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के कथन का जिक्र किया। इसमें कहा गया, हमने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ मुलाकात के बाद दिया बयान ध्यान से पढ़ा है। रूस, यूक्रेन पर बातचीत के लिए खुला है और शांति पहलों का स्वागत करता है।

## रूस ने भारत को सौंपा गाइडेड मिसाइल से लैस आईएनएस-तुशिल

### ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज और हाई रेंज मिसाइलों से लैसए, ऐसे 3 युद्धपोत की डिलीवरी बाकी

**मॉस्को, एजेंसी।** आधुनिक मल्टी-रोल स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस तुशिल' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह युद्धपोत रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की मौजूदगी में भारत को डिलीवर किया गया।

आईएनएस तुशिल कई उन्नत हथियारों से लैस है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली हाई रेंज मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट गन शामिल हैं। इसके अलावा इस युद्धपोत में कंट्रोल्ड क्लोज-रेंज रैपिड फायर गन सिस्टम, सबमरीन का खात्मा करने वाले टॉरपीडो समेत कई एडवांस रॉकेट भी हैं। युद्धपोत का डिजाइन इसे रडार से बचने की क्षमता और बेहतर स्थिरता प्रदान करता है भारत और रूस के बीच 2016 में 4 स्टील्थ फ्रिगेट को लेकर 2.5 बिलियन डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपए) की डील हुई थी। इसमें से 2 युद्धपोत का निर्माण रूस (यंतर शिपयार्ड) में और 2 का निर्माण (गोवा शिपयार्ड) में होना है। तुशिल की डिलीवरी करने के बाद रूस भारत को जून-जुलाई 2025 में तमाल सौंपेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आईएनएस तुशिल से भारत की समुद्री ताकत में इजाफा होगा। उन्होंने इसे रूसी और भारतीय उद्योगों की सफल साझेदारी और दोनों देशों की बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती में मील का पत्थर बताया। रक्षा मंत्री ने जहाजों

में मेड इन इंडिया कंटेंट बढ़ने पर भी खुशी जताई। विदेशी जहाजों में मेड इन इंडिया सामग्री में इजाफा भारतीय नौसेना के विशेषज्ञ इंजीनियरों और रूसी शिप डिजाइन कंपनी सेवरनॉय डिजाइन ब्यूरो के मदद से, आईएनएस तुशिल में स्वदेशी सामग्री को 26 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इससे विदेशी जहाजों में भारत निर्मित सिस्टम्स की संख्या बढ़कर 33 हो गई है, जो पहले की तुलना में दोगुनी से अधिक है। इस जहाज के निर्माण में प्रमुख भारतीय कंपनियां ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, केलट्रॉन, नोवा इंटीग्रेटेड सिस्टम, एल्कॉम मरीन, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया और कई दूसरी ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर के रूप में शामिल थीं।

गौरतलब है कि भारत में नौसेना में इस्तेमाल होने वाले अधिकतर पोतों में लगी गैस टर्बाइन का उत्पादन यूक्रेन की कंपनी जोरया-माशप्रोएक्त करती है। इसे वैश्विक स्तर पर जलीय गैस टर्बाइन के उत्पादन के लिए जाना जाता है। इस पूरे ऑर्डर की सबसे बड़ी बात यह है कि युद्ध के बावजूद रूस और यूक्रेन की मदद से भारत को यह पोत मिल गया है।

आईएनएस तुशिल पर 18 अधिकारियों समेत 180 कर्मियों का दल तैनात हो सकता है। जहाज पर 8 ब्रह्मोस वर्टिकल लॉन्च की जाने वाली एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें, 24 मध्यम दूरी की और 8 छोटी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एक 100 मिमी की तोप और आने वाली मिसाइलों से बचाव के लिए दो क्लोज-इन हथियार होंगे। तुशिल क्रोवाक-3 कैटगिरी का युद्धपोत है। भारत में फिलहाल 6 ऐसे युद्धपोत सेवा में हैं।

## सीरिया पर अमेरिका-इजराइल के बाद तुर्किये का भी हमला : उत्तरी इलाके पर कब्जा किया

**दमिश्म, एजेंसी।** सीरिया में असद सरकार के पतन के बाद दूसरे देशों के हमले तेज हो गए हैं। इजराइल ने सीरिया के दक्षिणी, अमेरिकी ने मध्य और तुर्किये से जुड़े रिबेल फोर्स ने उत्तरी इलाके पर हमला किया है। रॉयटर्स के मुताबिक तुर्किये के रिबेल फोर्स ने सीरिया के उत्तरी इलाके मनबिज पर कब्जा कर लिया है। कुर्दिश सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (एसएफडी) ने 2016 में आईएसआईएस को हराकर मनबिज पर कंट्रोल हासिल किया था। मनबिज में एसएफडी की हार के बाद कुर्द लड़ाकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिका और तुर्किये के बीच सोमवार को समझौता हुआ है। इस बीच तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन ने इस जीत पर कहा कि वे मनबीज से 'आतंकियों' के सफाए से खुश हैं। इजराइल ने दमिश्क में 100 से ज्यादा मिसाइल हमले किए इजराइली वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने सोमवार को सीरिया में 100 से ज्यादा हवाई हमले किए। अलजजीरा के मुताबिक ये हमले राजधानी दमिश्क के पास बरजाह साइंटिफिक रिसर्च सेंटर के पास हुए। इजराइली विदेश मंत्री गिदोन सार ने माना है कि इजराइल ने हथियार ठिकानों पर हमला किया

है। दरअसल, पश्चिमी देशों को आशंका है कि असद सरकार ने यही पर रासायनिक हथियार छुपा रखे हैं। अब इजराइल को डर है कि कहीं सीरियाई विद्रोहियों के हाथ ये हथियार न लग जाएं। दमिश्क से सिर्फ 21 किमी दूर पहुंची इजराइली सेना इससे पहले इजराइल ने 50 साल में पहली बार सीरिया बॉर्डर पार कर वहां के गोलान हाइट्स वाले हिस्से में अपनी सेना भेजकर बफर जोन पर कब्जा कर लिया था। अलजजीरा ने लेबनान से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया है कि इजराइली सेना अब बफर जोन की सीमाओं से आगे निकल चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक अब इजराइली सेना दक्षिणी सीरिया के कटाना शहर के पास पहुंच चुके हैं, जो कि राजधानी दमिश्क से सिर्फ 21 किमी की दूरी पर है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इजराइली सैनिक दमिश्क के बाहरी इलाके के कई गांवों में भी घुस गए हैं। इससे पहले अमेरिका ने मध्य सीरिया में आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर 75 से ज्यादा हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस हमले में बी-52 बॉम्बर और एफ-15 ई फाइटस जेट्स का इस्तेमाल हुआ। इन हमलों में आईएसआईएस के कई लड़ाकों और उनके ठिकानों को नष्ट कर दिया गया।

## नोबेल विजेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री के लिए ट्रंप की पसंद आरएफके जू. का किया विरोध, सीनेट को लिखी चिट्ठी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** दुनियाभर के 77 नोबेल विजेताओं ने सोमवार को अमेरिकी सीनेट को चिट्ठी लिखकर रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर (आरएफके जू.) की स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर नियुक्ति का विरोध किया। गौरतलब है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने चुनाव जीतने के कुछ घंटों बाद ही जिन नेताओं को मंत्री बनाने का एलान किया था, उनमें आरएफके जू. का नाम सबसे ऊपर था। नोबेल विजेताओं ने अपनी चिट्ठी में कहा, कैनेडी जू. के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाने से जनता के लिए मुहैया होने वाली स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। इस चिट्ठी में आरएफके जू. के अनुभव और विश्वसनीयता की कमी का मुद्दा उठाया गया है। पत्र में हस्ताक्षर करने वालों में चिकित्सा, रसायन, भौतिकी और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पाने वालों के नाम शामिल हैं। जिन लोगों ने कैनेडी जूनियर के खिलाफ पत्र में हस्ताक्षर किए हैं, उनमें ड्रयू वीजमैन का नाम भी शामिल है, जिन्होंने 2023 में कोविड के खिलाफ लड़ाई के लिए एमआरएनए टीका तैयार करने में मदद की थी। उन्हें इसके लिए चिकित्सा का नोबेल मिला था। ट्रंप की पसंद हैं रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर गौरतलब है कि रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी जू. के भतीजे हैं। इस साल हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने भी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर दावेदारी पेश की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना नाम वापस लेते हुए ट्रंप को समर्थन दे दिया था। इसके बदले चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने उन्हें अपना स्वास्थ्य मंत्री बनाने का एलान किया। हालांकि, इस पद पर नियुक्ति के लिए उन्हें अभी अमेरिकी संसद के उच्च सदन- सीनेट की मंजूरी लेनी होगी। पेशे से एक वकील और पर्यावरण मामलों के कार्यकर्ता आरएफके का जन्म 1954 में हुआ था। वह अमेरिका अटॉर्नी जनरल और सीनेटर रॉबर्ट एफ. कैनेडी के बेटे हैं। उनके चाचा जॉन एफ. कैनेडी अमेरिका के राष्ट्रपति भी रहे हैं। कैनेडी ने अपना ग्रैजुएशन आर्ट्स में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से 1976 में पूरा कर लिया। इसके बाद उन्होंने 1981 में वर्जीनिया स्कूल ऑफ लॉ से ज्यूरिस डॉक्टर डिग्री हासिल की। उनकी कानून की पढ़ाई लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में भी चली और बाद में 1987 में उन्होंने पेस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से मास्टर्स डिग्री हासिल की।

## खुफिया प्रमुख चुनी गईं तुलसी गबार्ड ने सीनेटरों से की मुलाकात; सीरिया पर डोनाल्ड ट्रंप के रुख को बताया सही

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में हवाई की पूर्व सांसद तुलसी गबार्ड को खुफिया प्रमुख के रूप में चुना है। उसके बाद से, वाशिंगटन में चर्चाओं और विवादों का माहौल गर्म है। गबार्ड की 2017 की सीरिया यात्रा और असद शासन के साथ उनकी कथित निकटता को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन सबके बीच गब्बार्ड ने कैपिटल हिल में प्रमुख सीनेटरों से मुलाकात की और सीरिया पर ट्रंप के विचारों का समर्थन किया।

**ट्रंप का किया समर्थन :** कैपिटल हिल में सोमवार को अपने नामांकन को लेकर शीर्ष अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के दौरान 43 वर्षीय गबार्ड ने कहा, मैं सीरिया के घटनाक्रम के संबंध में पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन करती हूं। उनसे पूरी तरह सहमत हूं।

**सीनेटरों ने गबार्ड की तारीफों के बांधे पुल :** सीनेटर जोनी अर्न्स्ट ने कहा कि तुलसी गबार्ड के साथ मुलाकात काफी शानदार रही। वह एक मजबूत नेता हैं। वहीं, माइक राउंड्स ने कहा कि राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नामित तुलसी गबार्ड के साथ बैठकर अच्छा लगा। इंटेलिजेंस पर सीनेट सेलेक्ट कमेटी के सदस्य के रूप में, मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। पहली मुलाकात बहुत अच्छी रही। हाल के दिनों में कई अन्य सीनेटरों ने गबार्ड की प्रशंसा की है। इनमें सीनेटर रैंड पॉल, सीनेटर मार्कवेन मुलिन, सीनेटर लिंडसे ग्राहम, सीनेटर एरिक श्मिट और सीनेटर बिल हेगर्टी शामिल हैं।

**पहली हिंदू सांसद होंगी :** इस पर गबार्ड ने आभार जताया। बता दें, अगर अमेरिकी सीनेट से गबार्ड के नाम पर मोहर लग जाती है तो वह

सीआईए और एफबीआई समेत अमेरिका की सभी खुफिया एजेंसियों के प्रभारी शक्तिशाली निकाय का नेतृत्व करने वाली पहली हिंदू अमेरिकी होंगी।

**कौन हैं तुलसी गबार्ड :** तुलसी गबार्ड करीब दो दशकों तक अमेरिकी सेना की शाखा नेशनल गार्ड में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। तुलसी गबार्ड इराक और कुवैत में भी तैनात रह चुकी हैं। हालांकि उनके पास खुफिया विभाग में काम करने का कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी समिति में भी अपनी सेवाएं दी हैं। तुलसी गबार्ड हवाई से साल 2013 से लेकर 2021 तक सांसद रहीं।

**डेमोक्रेट पार्टी से राष्ट्रपति पद की कर चुकी हैं दावेदारी :** तुलसी गबार्ड का भारत से कोई नाता नहीं हैं, लेकिन उनकी मां ने हिंदू धर्म अपना लिया था, जिसके चलते उन्होंने अपने बच्चों के नाम भी हिंदू धर्म वाले रखे। तुलसी गबार्ड भी हिंदू धर्म को मानती हैं। जब उन्होंने संसद में शपथ ली थी तो भागवत गीता पर हाथ रखकर शपथ ली थी। साल 2020 में तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी पेश की थी। हालांकि उन्हें पर्याप्त समर्थन न मिलने के बाद अपनी दावेदारी वापस लेनी पड़ी थी। कमला हैरिस के खिलाफ राष्ट्रपति पद की बहस के लिए ट्रंप की कराई थी तैयारी डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच जब राष्ट्रपति पद की बहस हुई थी, उस दौरान ट्रंप की तैयारी तुलसी गबार्ड ने ही कराई थी। इसकी वजह ये थी कि जब तुलसी गबार्ड ने साल 2020 में डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी पेश की थी तो उस वक्त कमला हैरिस भी दावेदारों की रेस में थी। तुलसी गबार्ड और कमला हैरिस के बीच पार्टी की आंतरिक बहस हुई थी, जिसमें तुलसी गबार्ड भारी पड़ी थीं। तुलसी गबार्ड ने अपने जवाब से कमला हैरिस की बोलती बंद कर दी थी। यही वजह रही कि जब ट्रंप और कमला हैरिस के बीच बहस होने वाली थी तो ट्रंप की तैयारी कराने वाले लोगों में तुलसी गबार्ड भी प्रमुख थीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सूरत बीजेपी नेता आत्महत्या केस

# तीसरे PI के हाथ में जांच आई, दीपिका पटेल और काउंसलर चिराग के फोन के FSL रिपोर्ट पर सब कुछ निर्भर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वार्ड नंबर 30 की बीजेपी महिला मोर्चा प्रमुख दीपिका पटेल ने आत्महत्या कर ली थी, जिसका कारण अभी तक सामने नहीं आया है। अब यह केस तीसरे पुलिस इंस्पेक्टर के हाथ में सौंपा गया है। इस जांच में दो PI पहले काम कर चुके थे, और अब तीसरे PI इसे देख रहे हैं, लेकिन आत्महत्या के कारण का रहस्य अभी तक हल नहीं हुआ है। पुलिस अब सिर्फ यह दावा कर रही है कि दीपिका और इस केस में संदेह के घेरे में आए बीजेपी काउंसलर चिराग सोलंकी के मोबाइल फोन के स्नस्रु रिपोर्ट पर सब कुछ निर्भर है। अगर कोई संदिग्ध तथ्य सामने आता है तो आरोप दर्ज किए जाने की संभावना है।

सूरत के अलथाण के भीमराड गांव में रहने वाली शहर बीजेपी के वार्ड नंबर 30 की महिला मोर्चा प्रमुख दीपिका नरेशभाई पटेल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में काउंसलर चिराग सोलंकी के खिलाफ संदेह की सुई उठ रही है। आत्महत्या से पहले चिराग को आखिरी कॉल करना, सबसे पहले दीपिका के घर पहुंचना, शव को अस्पताल ले जाना जैसी घटनाओं ने संदेह पैदा किया था। इस वजह से चिराग शुरुआत से ही संदेह के दायरे में थे और पुलिस ने उनकी दो बार पूछताछ भी की थी।

चिराग रोज दीपिका को 10-15 कॉल करते थे। चिराग दीपिका को बहन मानते थे, यह बात भी चर्चा का विषय बन गई थी। कंठा क्षेत्र में चल रही चर्चा के बीच अलथाण पुलिस ने काउंसलर चिराग सोलंकी से दो बार पूछताछ की थी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि चिराग के खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। दूसरी ओर, दीपिका के परिवार ने इस मामले में चिराग के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाए हैं, जिससे पुलिस उलझन में है।

दीपिका पटेल की आत्महत्या के समय अलथाण पुलिस स्टेशन के PI का ट्रांसफर हो गया था, जिसके बाद एक दिन की जांच और चिराग की पूछताछ के बाद उनका स्थानांतरण हुआ। फिर यह जांच खटोदरा के PI को सौंप दी गई थी, जिन्होंने चिराग से ढाई घंटे तक पूछताछ की और जांच को आगे बढ़ाया था, लेकिन कोई ठोस सबूत नहीं मिले। इस बीच, अलथाण PI के रूप में डीडी चौहान की नियुक्ति के बाद अब यह जांच उन्हें सौंपी गई है।

पुलिस अब FSL रिपोर्ट पर निर्भर है। पुलिस ने दीपिका और चिराग के मोबाइल फोन के डेटा की जांच स्नस्रुके लिए भेजी है। इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। क्या दीपिका ने वित्तीय संकट या व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या की? यह सवाल अब भी अनसुलझा है। वहीं, पुलिस यह भी जांच रही है कि दीपिका या चिराग के फोन के डेटा या चैट डिलीट तो नहीं हुए हैं। पुलिस इस रहस्य को कब उजागर करेगी, इस पर सबकी नजरें हैं।

## सूरत में दो बेटियों से छेड़छाड़ करने वाला नेमुद्दीन पकड़ा गया

# बाएं हाथ को लंगड़ा कर चलते हुए देखा, 24 घंटों में 700 सीसीटीवी फुटेज खंगाले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दो बेटियों से छेड़छाड़ करने वाले नेमुद्दीन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसे बाएं हाथ में लंगड़ापन दिखने पर पुलिस को संदेह हुआ और उसकी पहचान करने के लिए पुलिस ने 24 घंटे के भीतर 700 सीसीटीवी फुटेज की जांच की। सूरत के उधना क्षेत्र में 8 दिसंबर 2024 को एक अज्ञात व्यक्ति ने सोसाइटी में घुसकर पांच फीट की दूरी पर दो लड़कियों से छेड़छाड़ की थी। इस घटना का CCTV फुटेज 10 दिसंबर को सामने आया था। हालांकि, उधना पुलिस ने घटना के सामने आने के 24 घंटे के भीतर ही छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए लगभग 700 CCTV फुटेज की जांच की और उसे ऊन क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

आरोपी की करतूत CCTV फुटेज में कैद हुई थी आरोपी की उम्र केवल 19 साल है और वह मजदूरी का काम करता है। आरोपी की करतूत CCTV फुटेज में कैद हो गई थी। CCTV फुटेज की ध्यानपूर्वक जांच करते समय पुलिस ने यह पाया कि आरोपी का एक हाथ सही से काम नहीं करता था और वह हमेशा अपना बायां हाथ लटका कर चलता था। इसी क्लू के आधार पर पुलिस आरोपी के घर तक पहुंची, जो ऊन क्षेत्र में था।

आरोपी छेड़छाड़ के इलाके से पूरी तरह वाकिफ था आरोपी के घर में कुछ अन्य युवक भी रहते थे। उन्होंने आरोपी की तस्वीर देखकर उसकी पहचान की थी। उस समय आरोपी अपने घर के पास अन्य मजदूरों के साथ बैठा हुआ था। उसके बाएं हाथ के आधार पर पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की। आरोपी का नाम नेमुद्दीन है और वह मजदूरी का काम करता है। आरोपी कुछ समय पहले भाठेना क्षेत्र में काम कर चुका था, इसलिए जहां लड़कियों से छेड़छाड़ हुई थी, वह इस इलाके से पूरी तरह वाकिफ था।

घटना के बारे में पुलिस को 24 घंटे बाद जानकारी दी गई

डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने बताया कि CCTV फुटेज में एक व्यक्ति दो छोटी लड़कियों से छेड़छाड़ करता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने आरोपी को ढूंढ निकाला है। आरोपी का नाम नेमुद्दीन उर्फ अरमान अब्दुल जब्बार है, जो 19 साल का है और ऊन पाटी में रहता है। वह मजदूरी का काम करता है। आरोपी चलते-चलते घटना स्थल पर आया था। इस घटना के बारे में पुलिस को 24 घंटे बाद जानकारी दी गई थी।

700 से अधिक CCTV फुटेज चेक किए गए थे

उन्होंने आगे बताया कि, CCTV से मिली जानकारी के आधार पर अधिक टीमें बनाई गईं और जांच शुरू की गई। 60 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम बनाई गई थी। उधना पुलिस की सर्व लेन्स टीम के अलावा, सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने मिलकर अलग-अलग स्थानों पर जाकर 700 से अधिक CCTV फुटेज की जांच की। इसके बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई। हम आरोपी के 24 घंटे बाद तक पीछा कर रहे थे, लेकिन हमने विभिन्न टीमों को बनाकर जांच शुरू कर दी थी।

## सूरत पुलिस की मेगा ड्राइव

# 12 घंटे में 98 मोडिफाइड कारें और बुलेट जब्त

## व्हाइट हैलोजन बल्ब का इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने 12 घंटे की मेगा ड्राइव के दौरान 98 मोडिफाइड कारों और बुलेट्स को जब्त किया। साथ ही, व्हाइट हैलोजन बल्ब का इस्तेमाल करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

मोडिफाइड वाहनों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ने के कारण राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। खासकर व्हाइट हैलोजन बल्ब का इस्तेमाल करने वाले वाहनों और ध्वनि प्रदूषण करने वाली बुलेट्स के लिए राज्य सरकार के आदेश का पालन करते हुए सूरत शहर पुलिस ने एक बड़ी मेगा ड्राइव शुरू की। दुर्घटनाओं और वाहनों में आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सूरत पुलिस ने 12 घंटों में पूरे शहर में 98 कारों और बाइकों को जब्त कर कार्रवाई की।

कई वाहन चालक अपने वाहनों में व्हाइट हैलोजन बल्ब इंस्टॉल करते हैं, जो केवल लाइटिंग सिस्टम को बदलने का माध्यम नहीं होते, बल्कि अधिकांश मामलों में आग और गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। कुछ मामलों में इन हैलोजन बल्बों के कारण वाहन जल्दी गर्म हो जाते हैं, जिससे आग लगने की घटनाएं होती हैं। यह घटना समाज और यातायात व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है, जिसके बाद राज्य सरकार ने हैलोजन बल्ब पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। मोडिफाइड वाहनों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ने के कारण राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। खासकर व्हाइट हैलोजन बल्ब का इस्तेमाल करने वाले वाहनों और ध्वनि प्रदूषण करने वाली बुलेट्स के लिए राज्य सरकार के आदेश का पालन करते हुए सूरत शहर पुलिस ने एक बड़ी मेगा ड्राइव शुरू की। दुर्घटनाओं और वाहनों में आग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सूरत पुलिस ने 12 घंटों में पूरे शहर में 98 कारों और बाइकों को जब्त कर कार्रवाई की।

कई वाहन चालक अपने वाहनों में व्हाइट हैलोजन बल्ब इंस्टॉल करते हैं, जो केवल लाइटिंग सिस्टम को बदलने का माध्यम नहीं होते, बल्कि अधिकांश मामलों में आग और गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। कुछ मामलों में इन हैलोजन बल्बों के कारण वाहन जल्दी गर्म हो जाते हैं, जिससे आग लगने की घटनाएं होती हैं। यह घटना समाज और यातायात व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है, जिसके बाद राज्य सरकार ने हैलोजन बल्ब पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है।

# सूरत एयरपोर्ट पर बम की बात SOG, PCB, DCB और डॉग-बॉम्ब स्क्वाड ने एयरपोर्ट पर चेकिंग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बम रखने की बात को लेकर पुलिस में हड़कंप मच गया था। एक कॉल के जरिए पुलिस को सूचित किया गया था कि दो युवक सूरत एयरपोर्ट पर बम रखने की बात कर रहे थे। इसके बाद सूरत पुलिस का बड़ा काफिला एयरपोर्ट पर पहुंचा और डॉग और बम स्क्वाड द्वारा चेकिंग की गई।

SOG, PCB, DCB सहित पुलिस का काफिला एयरपोर्ट पर दौड़ पड़ा था। मिली जानकारी के अनुसार, दो युवक बारडोली रेलवे स्टेशन पर सूरत एयरपोर्ट पर बम रखने की बात कर रहे थे। इस पर एक कॉलर ने इस बारे में सूरत पुलिस को सूचित किया। बम की बात की गंभीरता को देखते हुए सूरत SOG, PCB, DCB सहित पुलिस का काफिला एयरपोर्ट पर पहुंचा था। इसके साथ ही, सूरत एयरपोर्ट के CISF सहित स्टाफ भी चेकिंग में शामिल हो गया था।

बम की बात करने वाले दो लोगों से पुलिस ने सघन पूछताछ शुरू कर दी है। सूरत एयरपोर्ट पर डॉग स्क्वाड, बम स्क्वाड सहित टीमों द्वारा चेकिंग की गई थी। इस मामले की सूचना देने वाले दो लोगों से जिला एलसीबी ने गहन पूछताछ शुरू कर दी है। वर्तमान में सूरत एयरपोर्ट पर चेकिंग जारी है और प्रारंभिक जांच के अनुसार, इस बात के बोगस होने की संभावना है। एयरपोर्ट की पूरी जांच के बाद इस मामले में और जानकारी सामने आएगी।

## पी. पी. सवाणी परिवार के सामूहिक विवाह में बनेंगे 3 रिकॉर्ड

# महेश सवाणी 5274 बेटियों का कन्यादान करने वाले अकेले पिता होंगे।

# 370 फुट लंबा तोरण और 50 हजार तुलसी पौधों का वितरण।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पी.पी. सवाणी परिवार द्वारा हर साल की तरह इस साल भी पिता की छत्रछाया खो चुकी बेटियों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। आगामी 14-15 दिसंबर को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित मंत्रियों और महानुभावों की प्रेरक उपस्थिति में पी.पी. सवाणी चैतन्य विद्यांकुल, अब्रामा में 'पियरीयू' थीम के साथ पिता विहीन 111 बेटियों का सामूहिक विवाह संपन्न होगा। इस साल आयोजित सामूहिक विवाह में 3 रिकॉर्ड बनने जा रहे हैं। इनमें महेश सवाणी 5,000 से अधिक बेटियों का कन्यादान करने वाले एकमात्र पिता के रूप में नाम दर्ज कराएंगे, जबकि 370 फुट लंबा तोरण और एक साथ 50,000 तुलसी के पौधों का वितरण भी किया जाएगा।

सूरत के पी.पी. सवाणी परिवार द्वारा हर साल की तरह इस साल भी पिता की छत्रछाया खो चुकी बेटियों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। आगामी 14-15 दिसंबर को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित मंत्रियों और महानुभावों की प्रेरक उपस्थिति में पी.पी. सवाणी चैतन्य विद्यांकुल, अब्रामा में 'पियरीयू' थीम के साथ पिता विहीन 111 बेटियों का सामूहिक विवाह संपन्न होगा। इस साल आयोजित सामूहिक विवाह में 3 रिकॉर्ड बनने जा रहे हैं। इनमें महेश सवाणी 5,000 से अधिक बेटियों का कन्यादान करने वाले एकमात्र पिता के रूप में नाम दर्ज कराएंगे, जबकि 370 फुट लंबा तोरण और एक साथ 50,000 तुलसी के पौधों का वितरण भी किया जाएगा।

50 हजार मेहमानों को तुलसी का पौधा भेंट किया जाएगा

14 और 15 दिसंबर को अब्रामा में 'पियरीयू' नाम से आयोजित होने वाले विवाहोत्सव के संबंध में पी.पी. सवाणी ग्रुप के महेश सवाणी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी केवल विवाह नहीं, बल्कि समाजसेवा की भावना के साथ 'पर्यावरण और अंगदान जागरूकता' के प्लेकार्ड के जरिए समाज को प्रेरित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से जुड़े 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 50 हजार मेहमानों को तुलसी का पौधा भेंट किया जाएगा।

111 बेटियों में से 90% के पास भाई भी नहीं पिता की छत्रछाया खो चुकी बेटियों और उनके हजारों बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और विवाह की पूरी जिम्मेदारी निभाने वाले महेशभाई सवाणी ने बताया कि 'पियरीयू' विवाह समारोह में गुजरात, महाराष्ट्र, बंगाल और उत्तर प्रदेश की बेटियां शामिल हैं। इनमें दो मूक-बधिर, दो दिव्यांग और दो मुस्लिम बेटियां भी हैं, जबकि 39 अलग-अलग जातियों की बेटियां नवजीवन के फेरे लेंगी।

महेशभाई ने बताया कि विवाह से पहले ही सभी 111 बेटियों को पिता के स्नेह का अनुभव कराने वाली भावना स्वरूप कर्तव्य निभाते हुए उनके कर्णधार (कन्यादान का सामान) का वितरण कर दिया गया है। इन 111 बेटियों में से 90% बेटियां ऐसी हैं, जिनके पास न तो पिता हैं और न ही भाई। बेटियों के चयन के लिए कई मानदंड तय किए गए हैं, जिसमें प्राथमिकता उन बेटियों को दी जाती है जिनके पिता नहीं हैं, और उसके बाद उन बेटियों को जिनके पास भाई भी नहीं हैं।

गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मिलेगा स्थान

'पियरीयू' विवाह समारोह को प्रतिष्ठित गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिलने की पूरी संभावना है। महेशभाई सवाणी एकमात्र ऐसे पिता हैं जिन्होंने अब तक 5274 बेटियों का कन्यादान किया है, और उनका नाम इस रिकॉर्ड के रूप में दर्ज होगा। एक ही कार्यक्रम में 50,000 तुलसी के पौधों का सामाजिक संदेश के साथ वितरण एक नया रिकॉर्ड बनाएगा। इसके अलावा, विवाह समारोह में 370 फीट का सबसे लंबा तोरण बनाया जाएगा। इन तीनों रिकॉर्ड्स के लिए गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम 14 तारीख को उपस्थित रहेगी और प्रमाण पत्र प्रदान करेगी।

कतारगाम के छात्रों को भी शिक्षा का लाभ मिलेगा

'पियरीयू' विवाह समारोह के दिन, 14 दिसंबर को कतारगाम क्षेत्र में पी.पी. सवाणी ग्रुप के पहले स्कूल का उद्घाटन होगा। पी.पी. सवाणी ग्रुप की परंपरागत मूल्यनिष्ठ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ अब कतारगाम क्षेत्र के छात्रों को भी मिलेगा।

बेटी-दामाद का पूजन हर साल की तरह इस साल भी बेटियों का पूजन होगा, लेकिन इस बार इसमें नए आयाम जोड़े गए हैं।